केवल मैडिकल व्यवसायियों के लिए

PHARMA NEWS

Editor- Brejesh Kumar Garg | www.medicaldarpan.com | Monthly News Paper
B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No. BSR 37/2021-2023 RNI UPBIL/2007/27885
Year 15 | Issue 03 | D.O.P. 10 November 2021 | Pages 08 | ₹10/- Copy | ✆ 09410434811, medicaldarpan.ctp@gmail.com

JSPC अब ऑनलाइन

धर्मेंद्र सिंह

आप सभी फार्मेसिस्ट बंधुओं को जानकर अति प्रसन्नता होगी कि झारखंड स्टेट फार्मेसी काउंसिल अब पूर्णतया: ऑनलाइन सिस्टम होने जा रही है. Jharkhand State Pharmacy Council 15 November यानि झारखंड स्थापना दिवस पर यह सौगात झारखंड के फार्मासिस्ट को देने जा रही है. पहले चरण में 15 November से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्य पूर्ण तरह से चालू हो जाएगा. दूसरे चरण में यानी जनवरी 2022 से ऑनलाइन रिनुअल भी चालू कर दिया जाएगा. अब किसी भी फार्मेसिस्ट को काउंसिल का चक्कर लगाने की जरूरत नहीं हां अगर काउंसिल से कोई और काम हो तो जरूर काउंसिल के सारे प्रतिनिधि उनके मदद के लिए आगे बैठे हुए हैं – **धर्मेंद्र सिंह, मो॰ 9835557027.**

दवाओं के दाम बेलगाम

सौरभ तिवारी

गाजियाबाद के सौरभ तिवारी, मो॰ 8449337957 से मिली जानकारी के अनुसार चीन से कच्चे माल की आपूर्ति प्रभवित होने के बाद अब डीजल के दाम बढ़ने से 6 दवाओं के दाम बेलगाम हो गये है. दवाइयों और आपरेशन में प्रयोग होने वाले सर्जिकल सामानों के दाम 15 से 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो गयी है, वहीं बी.पी., शुगर से लेकर अन्य जीवन रक्षक दवाओं के दाम में बढ़ोतरी होने से लोगों का मासिक इलाज खर्च बढ़ गया हैं. सर्वाधिक बिकने वाली बुखार की दवा पैरासिटामॉल का दाम डेढ़ गुना बढ़ गया है, एक माह पहले तक 38 रूपये में मिलने वाले 10 गोली की कीमत 45 रूपये हो गयी है. इसी तरह एंटीबायोटिक व हृदय रोग की दवाओं और मल्टी विटामिन दवाओं के दाम में भी वृद्धि हुई है. चीन से आने वाला कच्चा माल सिर्फ 30 फीसदी हो पा रहा है और डीजल के दामों में वृद्धि का असर अब दोहरा मार मार रहा है, आगे यदि यही स्थिति रहती है तो दामों में और भी बढ़ोतरी देखी जा सकती हैं.

Pharma Exhibition in Hyderabad

Pharma B2B Expo giving Opportunity & Platform to Build additional, New Business with Growth and expand your business along with Display for Products to Meet Members and Deal with Pharma Franchise / PCD / Third Party Manufacturing / Contract Manufacturing / Generic Drug Manufacturing & Generic Distributors / Distributors for Pharmaceuticals, Nutraceuticals, Ayurvedic, Herbals, Wellness, Cosmetics, Softgel Capsules, Hormone Drugs products. Welcome to South India's Largest Pharma Exhibition.

Attend **Pharma B2B Expo** at **Hitex Exhibition Center** on **04 & 05 DEC 2021 Hyderabad**.

- RAJAT SHARMA, Mob:- 9868947397.

कड़वा सच

एक माचिस की तिल्ली, एक घी का लोटा।
लकड़ियों के ढेर पे, कुछ घण्टे में राख।
बस इतनी सी है, आदमी की औकात।।
एक बूढ़ा बाप शाम को मर गया।
अपनी सारी जिन्दगी,
परिवार के नाम कर गया।।
कहीं रोने की सुग बुगाहट..,
तो कहीं फुसफुसाहट..।
अरे जल्दी ले जाओ, कौन रोयेगा सारी रात।
बस इतनी सी है, आदमी की औकात।।
कोई कहता है पानी में बहा दो इसको।
कोई कहता है चील कौओं
को खिला दो इसको।।
कोई कहता है अग्नि में ही जलाओ इसको
सच तो यह है कि सगे से सगे
को कहता देखा।
हो सके तो जल्दी से मिटा दो इसको।।
अब दो चार दिन ही होगी बात।
बस इतनी सी है, आदमी की औकात।।
मरने के बाद नीचे देखा,
नजारे नजर आ रहे थे।
मेरी मौत पे कुछ लोग जबरदस्त,
तो कुछ जबरदस्ती
से रो रहे थे।।
नहीं रहा..... चला गया.....,
चार दिन करेंगे बात।
बस इतनी सी है, आदमी की औकात।।
बेटा अच्छी तस्वीर बनवायेगा।
रोज सामने अगरबत्ती जलायेगा।।
खुशबुदार फूलों की माला होगी।
अखबार में अश्रु पूरित श्रद्धांजली होगी।।
बाद में उस तस्वीर के जाले
भी कौन करेगा साफ।
बस इतनी सी है, आदमी की औकात।।
जिन्दगी भर मेरा मेरा किया।
अपने लिये कम,
अपनों के लिये ज्यादा जिया।।
कोई ना देगा साथ, जायेगा खाली हाथ।
क्या तिनका भी ले जाने की है
हमारी औकात।।

–नरेश कुमार गुप्ता, मो॰ 09412858549.

सुरक्षा जीवन का अर्थ है, सुरक्षा के बिना सब व्यर्थ है.

Dr. Reddy's Laboratories Announces Approval For Lenalidomide Capsules From The U.S. Food And Drug Administration (USFDA)

Hyderabad:- Dr. Reddy's Laboratories Ltd. Mob:- 9305730890, 9058458612, 9368696718, 9307668480, 9305955262, 9761760618, 9410210556, 9359503863, 9329621787, 9368010386 along with its subsidiaries together referred to as "Dr. Reddy's") today announced the final approval of its Abbreviated New Drug Application (ANDA) for Lenalidomide Capsules, in 2.5 mg and 20 mg strengths, and tentative approval for 5 mg, 10 mg, 15 mg, and 25 mg strengths, a therapeutic equivalent generic version of REVLIMID® (lenalidomide) Capsules, from the U.S. Food and Drug Administration (USFDA). With this approval, Dr. Reddy's is eligible for 180 days of generic drug exclusivity for Lenalidomide Capsules, 2.5 mg and 20 mg. In September 2020, Dr. Reddy's announced a settlement agreement of their litigation with Celgene, the maker of REVLIMID® (lenalidomide) Capsules and a wholly-owned subsidiary of Bristol Myers Squibb (NYSE: BMY), relating to patents for the branded drug. In settlement of all outstanding claims in the litigation, Celgene agreed to provide Dr. Reddy's with a license to sell volume-limited amounts of generic lenalidomide capsules in the U.S. beginning on a confidential date after March 2022 subject to regulatory approval. The agreed-upon percentages remain confidential. As part of the settlement, Dr. Reddy's is also licensed to sell generic lenalidomide capsules in the U.S. without volume limitation beginning on January 31, 2026. "We are pleased with the Agency's approval of Lenalidomide Capsules, 2.5 mg and 20 mg and being eligible for 180-day market exclusivity," says Marc Kikuchi, CEO, North America Generics, Dr. Reddy's Laboratories. "We look forward to bringing a more affordable generic version of this drug to market for the benefit of patients." Please refer to Lenalidomide Capsules 2.5 mg and 20 mg Package Insert for Black Box warning and important safety information.

पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र

डॉ॰ सरेन्द्र कुमार शर्मा

पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में व्यक्ति को अशांतिकारक स्वप्न दिखाई देते हैं. इस नक्षत्र में व्यक्ति स्वयं को कारागार में देखता है तथा वहाँ उसे नाना प्रकार की यातनाएं दी जाती हैं. व्यक्ति स्वप्न में किसी की हत्या करते हुए अथवा किसी के घर में चोरी करता हुआ पकड़ा जाता है तथा पुलिस द्वारा बंदी बना लिया जाता है. व्यक्ति स्वयं को अत्यंत दुखी तथा असहाय स्थिति में अनुभव करता है. इसके अतिरिक्त स्वप्न में व्यक्ति पशुओं की हत्या करता है तथा उनके मांस का क्रय-विक्रय करता है. व्यक्ति सुअर, भैंसा, मुर्गा आदि जानवरों की बलि देता है तथा उनके रक्त में स्नान करते स्वयं को देखता है. इस प्रकार के स्वप्न यदि संध्याकाल में दिखाई देते हैं तो इनका अर्थ है कि व्यक्ति का किसी से झगड़ा इत्यादि हो सकता है. जिसके फलस्वरूप व्यक्ति को मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है. शत्रु पक्ष व्यक्ति पर हावी रहेगा तथा उसे शत्रु के सम्मुख घुटने-टेकने पड़ेंगे. व्यक्ति की समाज में प्रतिष्ठा कम होगी तथा उसे घोर अपयश का सामना करना पड़ सकता है. ऐसे स्वप्न दिवाकाल में दिखाई दें तो इनका फल भी लगभग समान होता है. इसके प्रभाव वश व्यक्ति को अनेक मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है तथा आर्थिक पक्ष भी कमजोर रहता है. रात्रिकाल में इस प्रकार के स्वप्नों का फल संध्याकाल तथा दिवाकाल के स्वप्नों की अपेक्षा कम हानिकारक होता है. इसके अनुसार व्यक्ति का अपने मित्रों तथा परिवारजनों से वाद-विवाद हो सकता है. व्यक्ति को अपनी स्त्री के द्वारा कष्ट की प्राप्ति होती है तथा उसकी संतान भी उसके कहे अनुसार कार्य नहीं करती. व्यक्ति को अपने ही लोगों के द्वारा हास्य का पात्र बनना पड़ता है. यदि प्रभात काल में इस प्रकार के स्वप्न दिखाई दें तो इसका फल भी तीनों कालों के समान समझना चाहिए. इसका अर्थ है कि व्यक्ति को निकट भविष्य में मानसिक परेशानियों से जूझना पड़ सकता है.

– डॉ॰ सरेन्द्र कुमार शर्मा, मो॰ 9711034710, 7599096331.

"छोटे-छोटे प्रयासों से कभी-कभी बहुत बड़े-बड़े परिवर्तन आते हैं"

स्वच्छता अब स्वभाव:- स्वच्दता पूज्य बापू को इस देश की बहुत बड़ी श्रद्धांजलि है. स्वच्छता आन्दोलन ने एक बार फिर देश को नए भारत के सपने के साथ जोड़ने का काम किया है. स्वच्छता पीढ़ी दर पीढ़ी संस्कार संक्रमण की एक जिम्मेदारी है. पीढ़ी दर पीढ़ी स्वच्छता का अभियान चलता है तब सम्पूर्ण समाज में स्वच्छता का स्वभाव बनता है.

आर्थिक स्वच्छता:- इसमें तकनीक बहुत मदद कर सकती है. आज गाँव-देहात में फिनटेक यूपीआई से डिजिटल लेन-देन करने की दिशा में सामान्य मानवा भी जुड़ रहा है. जनधन खातों को लेकर देश ने जो अभियान शुरू किया, इसकी वजह से आज गरीबों को उनके हक का पैसा सीधे उनके बैंक खाते में जा रहा है. जिस तरह शौचालओं के निर्माण ने गरीबों की गरिमा बढ़ाई, वैसे ही आर्थिक स्वच्छता गरीबों का अधिकार सुनिश्चित करती है और उनका जीवन आसान बनाती है.

– नरेन्द्र मोदी
प्रधानमन्त्री
भारत सरकार

"अगर आप सोचते हैं कि ज्ञान पाना महंगा है तो अज्ञानी बनकर देखो"

त्वचा के लिए किशमिश का पानी- यह आपकी त्वचा के स्वास्थ्य में कैसे इजाफा कर सकता है?

त्वचा के लिए किशमिश के पानी के फायदे

क्या आप किशमिश के पानी और इसके फायदों के बारे में जानते हैं? किशमिश में बड़ी संख्या में आहार फाइबर होते हैं जो आपकी भूख को लंबे समय तक भरा रख सकते हैं। इसमें लगभग3.3 ग्रामफाइबर का। चूंकि इस पानी में कैलोरी की मात्रा कम होती है, इसलिए आप इसे अपने वजन घटाने के आहार के हिस्से के रूप में भी शामिल कर सकते हैं। किशमिश के पानी में बड़ी मात्रा में विटामिन होते हैं। इसे रोज सुबह पीने से बहुत फायदा हो सकता है।

किशमिश अंगूर के सूखे रूप को संदर्भित करता है जो दाख की बारियां या पेपर ट्रे में सीधे सूर्य के प्रकाश के तहत 3 सप्ताह तक आराम करता है। किशमिश के पानी का अर्थ है पानी से मुक्त इन अंगूरों का लथपथ रूप। किशमिश के पानी का सेवन त्वचा के सभी प्रदूषकों जैसे मुंहासे और फुंसियों को दूर करने में मदद करता है और आपको एक निर्दोष त्वचा की चमक प्रदान करता है।

किशमिश का पानी कैसे तैयार करें?

किशमिश का पानी बनाने के लिए, यहाँ कुछ सरल चरण दिए गए हैं जिनका आपको नीचे सूचीबद्ध पालन करना चाहिए:

1. लगभग 150 ग्राम अच्छी गुणवत्ता वाली किशमिश लें और उन्हें लगभग 2 कप साफ पानी में भिगो दें।
2. इस मिश्रण को रात भर के लिए लगा रहने दें।
3. अगली सुबह इसका सारा पानी छान लें और खाली पेट इसे पी लें।
4. इस प्रकार का पानी पीने से आपको बड़ी संख्या में स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

त्वचा पर किशमिश के पानी के क्या फायदे हैं?

नीचे अविश्वसनीय लाभ और प्रभाव सूचीबद्ध किए गए हैं जो किशमिश का पानी आपकी त्वचा पर प्रदान कर सकते हैं। वे इस प्रकार हैं:

किशमिश में एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो सेलुलर क्षति की मरम्मत में मदद करते हैं। यह आपको साफ त्वचा देने में मदद करता है और लंबे समय तक जवां बनाए रखता है। इस पानी का सेवन त्वचा के हाइड्रेशन को बनाए रखने में भी मददगार साबित होता है।

किशमिश का पानी त्वचा की कोशिकाओं की रक्षा करने में भी कारगर होता है और त्वचा की क्षति से संबंधित समस्याओं को कम करता है। इसका नियमित सेवन समय से पहले त्वचा की उम्र बढ़ने से भी निपट सकता है, जिसमें महीन रेखाएँ, धब्बे, उम्र बढ़ने के धब्बे, झुर्रियाँ आदि शामिल हैं।

किशमिश के पानी में विटामिन ए और ई की उच्च मात्रा आपकी त्वचा को अंदर से गहरा पोषण भी देती है।

किशमिश के पानी में फाइटोकेमिकल्स और अमीनो एसिड भी होते हैं जो आपकी त्वचा को सूर्य के संपर्क के तुच्छ प्रभावों से बचाने के लिए एक सुरक्षात्मक बाधा के रूप में कार्य करते हैं।

किशमिश में एक निश्चित मात्रा में रेस्वेराट्रोल भी होता है जो रक्त के विषहरण में सहायता करता है। यह लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन में भी सहायक है और आपकी त्वचा को एक स्पष्ट चमक देता है। नतीजतन, आपकी त्वचा पर कोई धब्बे या दोष नहीं हैं।

किशमिश भी विटामिन सी और आहार फाइबर का एक समृद्ध स्रोत है जो एक स्वस्थ आंत और अच्छे पाचन तंत्र को देने में सहायता करता है।

किशमिश का पानी आपकी त्वचा में आवश्यक पोषक तत्वों को पुनर्स्थापित करता है और त्वचा पर सभी निशान या धब्बे हटा देता है। यह मुंहासों की समस्या को दूर रखने में भी कारगर है। इसके अलावा, पर्ि . पर हमारा गाइड पढ़ें नारियल पानी के फायदेमधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद है या नहीं? यहां विस्तार से जानें!

समग्र स्वास्थ्य के लिए किशमिश जल प्रभाव

चमकती त्वचा के साथ-साथ स्वस्थ शरीर एक बेहतरीन ऐड-ऑन है। नीचे बताए गए अपने संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए किश. मिश के पानी के शीर्ष लाभों के बारे में जानें।

किशमिश के पानी में आहार फाइबर होते हैं जो भूख को कम करते हैं और लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराते हैं। नतीजतन, आप कम कैलोरी का उपभोग करेंगे जिसके परिणामस्वरूप स्वस्थ वजन कम होगा।

अपने भोजन में आहार फाइबर को शामिल करने से मल त्याग के नियमन में भी मदद मिलती है। यह आपके शरीर से सभी अपशिष्ट को बाहर निकालने में मददगार साबित होता है।

किशमिश में प्राकृतिक चीनी की मात्रा भी होती है जो भूख को कम करने का काम करती है। नतीजतन, मध्यरात्रि में वे मीठे लालसा उनके सेवन से पूरी हो सकती हैं।

किशमिश में प्राकृतिक शर्करा समान रूप से रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रख सकती है और इसके परिणामस्वरूप वजन घटाने में कमी आती है।

किशमिश जैसे सूखे मेवे भी प्राकृतिक प्रीबायोटिक्स के रूप में कार्य करते हैं। यह गट फ्लोरा के विकास को बढ़ाने में मदद करता है जो वजन घटाने के शासन में मदद करता है।

कुछ अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि रोजाना किशमिश के पानी का सेवन मोटापे के स्तर को 39% तक कम कर सकता है और मेटाबॉलिक सिंड्रोम के जोखिम को 54% तक कम कर सकता है।

- शेष भाग अगले अंक में.

Our General Divisions
MERRIL MESTRA STERILE GENETICS
Third Party Enquiry Also Welcome
And many more ...
We have more then 250 products in our successfully running company.
For any query :- 9719839944
New Molecules available
Natural Progesterone 300mg SR Tab
Faropenem-200mg Tab.
Ambroxol+ Levocetrizine+ Montelukast
Trypsin+ Rutoside+ Bromeline+ Diclofenac
Sultamycillin-375mg Tab.
Rifaximin-400mg Tab.
Thiocolchicoside+ Aceclofenac+ Paracetamol
Medoxyprogesterone 10mg
Introduce New Derma Division
Emocare - A Neuro-Psychiatrial Division
NUECAD - Cardiac-Diabetic division
Womana - Gyne-infertility division
BEAUKIN - (A Derma Division of Merril Pharma)
Piraciti-Plus - Citicoline 200mg + Piracetam 800mg Tab.
Metolip-ER 25/50 - Metoprolol Tartrate 25/50 (ER)
Gensure-Sachet - L-Arginine 3gm. + Proanthocyanidin 75 mg.
Antihist-D - Desloratadine 10 mg.
Velpy-200/300/500 - Sodium Valporate With Valporic Acid
Nuepido-AS - Clopidogrel 75 mg +Aspirin 75 mg
Gensure-LC - L-Carnitine + Co-Enzyme + Astaxanthin + Piperin + Lycopene+ Zinc Sulphate
Tacroril - Tacrolimus Cream 0.03
Emofexine Tab. - Desvenlafaxine 50mg ER
Nuepido-Plus - Clopidogrel 75 mg +Aspirin 150 mg
NMPC-softgel/SR tab/ Inj. - Natural Micronised Progesterone B.P. 100/200/300 mg
Candigel - Luliconazole 1.0% w/w
Emofexine Plus -50 - Desvenlafaxine 50 mg + Clonazepam 0.5 mg
Tenzex-M - Teneligliptin 20mg + Metformin Hydrochloride 500mg
Gensure-F - Folic Acid, Inositol, L-Arginine, Selenium Grape Seed Extract, Lycopene, Vitamins & Zinc
Eberil - Eberconazole 30 mg
Registered Office :- A-401/402, Empire Business Hub, Science City Road, Ahmedabad-380060 (Gujrat)-India,
Email : order@mestrapharma.com Website : www.mestrapharma.com

SUN To Launch Merck's Covid Pill Molnupiravir As Molxvir

Mumbai: Sun Pharmaceutical Industries Limited, Ph:- 022-49186270 / 022-49186000 today said that it is gearing up to introduce Merck Sharpe Dohme (MSD) and Ridgeback's molnupiravir under the brand name Molxvir® in India. The Drugs Controller General of India (DCGI) is currently reviewing clinical data of molnupiravir for the treatment of COVID-19 in adults in India. Earlier this year, Sun Pharma had signed a non-exclusive voluntary licensing agreement with MSD to manufacture and supply molnupiravir in India and to over 100 low and middle-income countries (LMICs).

Molnupiravir is the first oral antiviral approved by the UK Medicines and Healthcare products Regulatory Agency (MHRA) for the treatment of mild-to-moderate COVID -19 in adults. It is under review by the U.S. Food and Drug Administration (FDA) for Emergency Use Authorisation (EUA).

Kirti Ganorkar, CEO of India Business, Sun Pharma said, "The recent authorisation of molnupiravir, licensed from MSD and Ridgeback, by the UK regulator is a positive step. In line with our consistent efforts to accelerate access to new drugs for COVID-19 treatment, we are gearing up to make Molxvir® available to patients and healthcare providers across India at an economical price post approval by DCGI. Molxvir® will be manufactured at one of our plants in India and we have enough capacity to meet the demand."

In the Phase 3 trial by Merck, Molnupiravir significantly reduced the risk of hospitalization or death by approximately 50% in a planned interim analysis of the MOVe-OUT trial in at risk, nonhospitalized adult patients with mild-to-moderate COVID-19. Additionally, based on the participants with available viral sequencing data (approximately 40% of participants), molnupiravir demonstrated consistent efficacy across viral variants like Gamma, Delta, and Mu.

क्षणिकाएं

डर

जब-जब पत्नी ने, उनकी गाड़ी
चलाई. वे पैदल चलते रहे, उन्हें
नानी याद आई.

निरन्तर

हर प्रयास, सफल नहीं हो पाता.
कमी तो सफलता लाता.

जल

पानी की एक बूंद, अमृत समान
मानिए.
इसका सही मोल, अत्यधिक प्यास
में जानिए.

संयोग

बारिश का, आना हुआ.
बिजली का, जाना हुआ.

गायन

गाते ही, जाना.
गमों को भुलाना.

प्रयास

उजाले के लिए, प्रयास तो चाहिए.
बीती भूल जाइए, जीवन आगे
बढ़ाइए.

- डॉ॰ नरेन्द्र नाथ लाहा, ग्वालियर (म॰प्र॰), मो॰ 9753698240.

Truth Behind Benefits Of Coconut Water For Diabetics

Is coconut water good for diabetics

Miraculous advantages of coconut and coconut water are well-known to everyone! But is it effective for the patients dealing with Diabetes as well? This is a common doubt that many people suffering from this disorder generally face. Is coconut water safe and beneficial for diabetics? This and many other similar queries are answered below.

Firstly, the important disclaimer suggests coconut water cannot help in curing Diabetes at all. It is only beneficial for managing the side effects that you suffer due to this chronic problem. Coconut water is an immensely rich source of essential nutrients and antioxidants. Coconut in itself is a powerhouse of electrolytes, vitamins, minerals, and micronutrients. Besides, it is also advantageous in maintaining the Ph balance of your body and supports metabolic functioning.

Coconut and its benefits have been known for ages, and people from a long time are associated with its natural powers. With a daily dose of coconut water, you can store a large number of essential nutrients that aid in enhancing the digestive system and supporting immunity. Coconut water also serves as an excellent choice for natural energy chosen by top athletes and enthusiasts.

Do you know about the incredible coconut water benefits? If you consume it in the right quantities, this can help in controlling the blood sugar levels. Besides, coconut water also helps in lowering down the risks and complications related to Diabetes. There is an in-depth science associated with the drinking of coconut water and its effects. Let's learn about if coconut water is good for diabetics in detail.

7 Ideal Health Advantages of Coconut Water For Diabetic Patients

Do you want to know the wonderful effects of coconut water on diabetic patients? Are you aware of the health benefits related to it? Time to take a look at the efficacy of coconut for patients dealing with Diabetes.

Helps to Maintain Electrolytes Balance

Coconut water is tender and is full of healthy nutrients. It is an immensely replenishing beverage that pumps you with many vitamins, electrolytes, amino acids, and minerals. This is a tasteful beverage that has a high proportion of Riboflavin and Vitamin C. Coconut water also has very high magnesium, calcium, sodium, potassium, and even phosphorous content. It is a perfect option for diabetic patients who are dealing with this issue. Magnesium surges up insulin sensitivity, and the count of electrolytes helps in maintaining electrolytic balance. The imbalance of electrolytes leads to dehydration that can cause kidney problems in the future.

Improves Blood Circulation

As coconut water is also rich in sodium and magnesium, it aids in maintaining the blood circulation in your body and widens the blood vessels. Tender coconut water is also known to reduce the creation of plaque in arteries. Several complications related to Diabetes can be dealt with here. Constriction of blood vessels also causes myopathy, glaucoma, and even neuropathy. It also causes kidney failure and improves nerve functioning. This water can also relieve the foot's numbness, kidney stones, and blur vision.

Best detox for weight loss

Coconut water is also provenly effective in curbing all types of unwanted cravings. Due to being a rich electrolytes source, it aids in better digestion and fosters higher metabolism. Besides, it also helps in the breaking of fat cells and converts them into energy molecules. It is a wonderful natural energy booster for diabetics.

Obesity is also a big culprit

Due to excessive fat around your abdomen and the pressure, it creates on the pancreas, the insulin sensitivity surges up. That's probably why obese people are more prone to Diabetes. It is, therefore, necessary to stay active and manage a proper body weight for combatting diabetes issues.

Rich in Antioxidants

Another benefit of drinking coconut water for diabetics is it's replete with many natural antioxidants. It plays a vital role in the delayed aging process by rendering benefits to tissues and other organs. Diabetic patients can get many additional benefits as they are more prone to aging as compared to normal people. This is mainly due to the oxidative stress that results due to high blood sugars. It also lowers the occurrence of metabolic and heart diseases in diabetic patients.

Low Glycaemic Index

Coconut water is sweet in taste, and its glycaemic index is also relatively low. GI level of coconut water is around 3. Hence, it does not cause any instant spike in the blood sugar level. Magnesium content helps in controlling insulin production as well. Coconut water has a hypoglycaemic effect and is alkaline in nature that neutralizes excessive stomach acid levels.

Lowers Risk of Cardiovascular Disease

Diabetic patients have an increased risk of cardiovascular diseases. And high levels of blood glucose might lead to damage in the blood vessels of the heart. With coconut water, the production of nitric oxide rises and helps to get relaxation of blood vessels, leading to the accumulation of plaque in arteries.

Protects the kidney and liver

Coconut water is also fruitful in increasing the bile conversion in the liver. Bile acids in the improvement of lipid metabolism and minimize blood sugar levels. As a result, the liver function enhances, and there is reduced complication due to Diabetes. Potassium salts in coconut water also help in dissolving the kidney salts and even help in detoxification.

Cautions on Intake of Coconut Water for Diabetics

Excessive intake of coconut water increases potassium content leading to kidney damage. It might also increase the electrolyte imbalance that causes hyperkalemia. Excessive coconut water might also lead to gas or bloating effects. Drinking it in high quantities can also cause urination.

Avoid its intake along with medications.

Those on diet restrictions must consult their physician before its intake. People facing uncontrolled blood glucose levels must also avoid coconut water intake.

Winding Up

Coconut water for diabetics is indeed a great idea! The tropical fruit is rich in the power of multiple antioxidants and nutrients. All of this makes it a fantastic beverage for diabetic patients. You ought to avail the incredible benefits of drinking coconut water that can prevent the occurrence of Diabetes.

As per research, it is also valuable for reducing blood sugar levels. A moderate and regular intake of this water can reduce sugar cravings and improve their nerve functioning. It can also aid in reducing all the risks related to kidney complications. Start intake of this fruit to enhance blood circulation levels and keep your appetite satiated for a long time. Surely, coconut water can provide immense relief to people with diabetes!

कैंसर रोगियों के लिए कैंसर संबंधित दवाओं की लागत में प्रमुख कटौती

भारत का फार्मा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र अपनी धधकती प्रगति और उपयोगकर्ताओं के लिए लागत प्रभावी योजनाओं की शुरूआत के साथ लगातार एक स्तर की ओर बढ़ रहा है। सरकार की हालिया घोषणा ने भयानक कैंसर रोग से जूझ रहे लोगों के चेहरों पर मुस्कान ला दी है। कैंसर की दवाओं की कीमत कम करने का फैसला आने पर लोगों ने तालियों से मोदी सरकार की सराहना की।

गरीब और जरूरतमंद लोगों ने जबर्दस्त लाभ उठाया क्योंकि कैंसर दवा निर्माण कंपनियों ने कैंसर रोगियों के सार्थक उपचार के लिए सीएसआर गति. विधियों की शुरुआत की। आरयूजे अस्पतालों के प्रबंध निदेशक डॉ. नालन जोशी द्वारा निर्धारित निर्णय के अनुसार, यह स्पष्ट था कि कैंसर रोगियों के लिए एक महत्वपूर्ण राहत होगी जो बीमारी से जूझ रहे हैं और इसके खिलाफ इलाज के लिए महंगा इलाज होगा।

कैंसर रोगियों के लिए सीएसआर गतिविधियों को प्रबंधित करने के लिए नए कदम

सरकार अंतरराष्ट्रीय संगठनों और संस्थाओं के एकाधिकार को कम करने के लिए कई नए कदम उठा रही है। नीचे तक, कैंसर रोगियों के लिए प्रदान की जाने वाली दवाओं और दवाओं की कीमतों में अस्पष्ट वृद्धि हुई है। एनपीपीए भारत के लोगों के लिए दवाओं के मामले में अतिरिक्त लाभ प्रदान कर रहा है। सरकार भारत के लोगों के लिए दवाओं की लागत में कटौती करने के लिए भी पहल कर रही है। इससे गरीब और जरूरतमंद लोग अब से बेहतर कैंसर संबंधी इलाज करा सकेंगे। जब विभिन्न चरणों में कैंसर के उपचार की बात आती है तो नए कार्यान्वयन एकाधिकार श्रृंखला को तोड़ने का स्वदेशीकरण भी करेंगे। इसके अलावा, कैंसर रोगियों के संबंध में सीएसआर गतिविधियों से निपटने वाले संगठनों को कर छूट और भत्ते भी दिए जाएंगे।

आँकड़ों के अनुसार, भयानक कैंसर से जूझ रहे रोगियों को महंगी दवाओं का खर्च उठाने की अक्षमता के कारण कई वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अधिकांश मौतें भी मुख्य रूप से इसी मुद्दे के कारण होती हैं।

डॉ. नलिन जोशी ने कैंसर विनियमन के लिए एक समान राष्ट्रीय नीति का अनुरोध किया

भारत और दुनिया भर में कई राज्य सभी वर्गों और पंथों के लोगों के लिए उपचार को किफायती बनाकर अपने स्वास्थ्य सेवा पोर्टफोलियो में विविधता लाते हैं। एकल कैंसर संबंधी नीति के साथ, तंबाकू कंपनियों को सीएसआर गतिविधियों को विकसित करने के लिए भी कहा जाएगा जो कैंसर रोग के अक्षम प्रबंधन में मदद करती हैं। आरयूजे हॉस्पिटल्स के साथ तालमेल बिठाते हुए, हेल्थकेयर ग्लोबल एंटरप्राइजेज के सीईओ और चेयरमैन डॉ. बीएस अजय कुमार ने कहा, "कैंसर के मरीजों को इलाज की लागत के संबंध में राहत प्रदान करने के सरकार के कदम का स्वागत है। लेकिन जहां यह रोगियों को क्षणिक रूप से लाभ पहुंचाता प्रतीत हो सकता है, वहीं लंबे समय में यह उनके लिए हानिकारक होगा।' उन्होंने रोगियों को कैशलेस उपचार प्रदान करने के महत्व को आगे बढ़ाया और विविध समाज वर्गों के लिए सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा को लागू करने में विस्तार किया। कोई अमीर हो या गरीब, अच्छी गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा देना सभी के लिए अनिवार्य है। यहां तक कि सरकार को भी लोगों की प्रति व्यक्ति आय में सुधार पर काम करने की जरूरत है क्योंकि देश के नागरिकों की प्रति व्यक्ति आय का प्रबंधन करना काफी संभव नहीं है। कुछ धनी लोग सभी के लिए उपचार व्यवस्था का मानकीकरण नहीं कर सकते।

कैंसर से संबंधित दवाओं पर सीएसआर गति. विधियों पर समग्र नजर

लोगों के हाथों में समग्र आय वितरण और क्रय शक्ति का आकलन करना आवश्यक है। इससे वे बाजार के उत्पादों तक बेहतर पहुंच प्राप्त कर सकते हैं और सही मूल्य निर्धारण का अधिग्रहण होगा। इन सबसे ऊपर, जिन रोगियों को गुणवत्ता और समय पर उपचार की आवश्यकता होती है, वे भी उसी के अनुसार लाभ उठा सकते हैं। इन दवाओं के मूल्य निर्धारण में समग्र सुधार के परिणामस्वरूप सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं, रोगियों की सुरक्षा अधिक हो सकती है और बेहतर फीडबैक मिल सकता है। भारत जल्द ही अनुसंधान और विकास का द्विपक्षीय नेतृत्व कर सकता है और चिकित्सा क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है।

तीसरे चरण में फेफड़े के कैंसर के उन्नत परीक्षण के लिए नोवार्टिस फिर से विफल

स्विस कंपनी नोवार्टिस ने उल्लेख किया है कि तीसरे चरण की उसकी कैनोपी-1 रोगियों के इलाज के लिए प्राथमिक समापन बिंदुओं के उपचार में निशान तक नहीं है। सोमवार को, नोवार्टिस ने एक और कैनाकिनुमाब दवा परीक्षण की विफलता के बारे में कहा जो फेफड़ों के कैंसर रोगियों में समग्र जीवित रहने की दर में सुधार करता है। यह समान स्थिति वाले लोगों में प्रगति-मुक्त अस्तित्व की रोकथाम के लिए भी जिम्मेदार है।

नोवार्टिस द्वारा नवीनतम घोषणा की मुख्य विशेषताएं

प्राप्त विस्तृत रिपोर्ट से पता चलता है कि नोवार्टिस फेफड़ों के कैंसर का सामना कर रहे रोगियों का इलाज करते समय अंतिम बिंदुओं का सामना नहीं कर सका। तीसरे चरण के अध्ययन के अनुसार, नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर और पेम्ब्रोलिजुमाब प्लस प्लैटिनम-आधारित डबल कीमोथेरेपी का संयोजन। इस घोषणा के अनुसार, नोवार्टिस दवा के लिए झटका इस साल केमोथेरेपी एजेंट डोकेटेक्सेल के संयोजन के विफल होने के बाद हुआ। कैनोपी -2 चरण ||| परीक्षणों के अनुसार रोगियों के अस्तित्व को बढ़ाने के लिए और कदम उठाए गए हैं।

नोवार्टिस ने कैनाकिनुमाब ड्रग की गहन जांच पूरी की

ऊपर वर्णित दवा पर आगे की जांच में कहा गया है कि यह सर्जरी से पहले और बाद के उपचारों के लिए मददगार साबित हो सकती है। रिपोर्टों के अनुसार, कैनोपी-ए इस भयानक बीमारी के समग्र उपचार के लिए महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। कंपनी ने यह भी पुष्टि की कि वे नैदानिक प्रभावों में संभावित दोषों की पहचान करने के लिए निष्कर्ष और डेटा रिपोर्ट के पूर्ण विश्लेषण के साथ जारी रखेंगे। नोवार्टिस के प्रमुख, जॉन त्साई ने भी एक कुशल दवा की खोज की आवश्यकता पर जोर दिया जो भयानक फेफड़ों के कैंसर से बचाव में मदद कर सके। वह वैश्विक औषधि विकास विभाग के प्रमुख हैं और वहां के मुख्य चिकित्सा अधिकारी हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह परीक्षण वांछित परिणामों को क्रियान्वित करने में विफल रहा और इसलिए इसे रोक दिया जाएगा। फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए कैनाकिनुमाब दवा के मूल्यांकन और परिचय में प्रतिबद्धता कंपनी के पास कैनोपी- । सेकंड के निष्कर्ष हैं।

स्विस कंपनी द्वारा दुर्लभ रोग उपचार प्रक्रिया के तहत

परीक्षण के आंकड़ों के अनुसार, यह स्पष्ट था कि फेफड़ों के कैंसर रोगियों के विशिष्ट उपसमूहों में केवल कुछ संभावित सार्थक सुधार प्रचलित थे। इसमें उन रोगियों की श्रेणी भी शामिल है जो भड़काऊ सबमार्केट से गुजर रहे हैं। नोवार्टिस ने यह भी निर्दिष्ट किया कि इस डेटा को फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए कैनाकिनुमाब के विस्तृत मूल्यांकन की भी आवश्यकता है। कैंटोस में उन रोगियों पर नैदानिक परीक्षण के बारे में प्रमुख निष्कर्षों की पहचान की गई जो फेफड़ों के कैंसर के उच्च जोखिम में थे। इस दवा की प्रभावकारिता की जांच के लिए चरण ॥। परीक्षणों की विफलता काफी हद तक विफल रही, जिससे उक्त दवा के विश्लेषण की और आवश्यकता हुई।

Happy Birthday

Name	City	D.O.B.	Mob
Paresh N. Chauhan	Gondia	02.11.83	9823219202
Ashish A. Jain	Gondia	06.11.80	9422131261
Abhijit Pachpate	Dhule	12.11.81	8007761099
Topesh Rahangale	Seoni	16.11.77	9425888813
Cheten Bhadane	Dhule	23.11.85	9420378136
Dhanjay	Bhandara	25.11.84	8275398391

मैडीकल दर्पण मीडिया हाऊस की तरफ से आप सभी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाऐं

नवम्बर माह के त्यौहार

10.11.2021	छठ पूजा
11.11.2021	गोपाष्टमी, अशोकाष्टमी
12.11.2021	जुगलजोड़ी परिक्रमा वृंदावन
13.11.2021	कंसवध लीला चतुर्वेदीय मथुरा
14.11.2021	देवउठान एकादशी, तुलसी विवाह
18.11.2021	बैकुण्ठ चतुर्दशी
19.11.2021	गुरू नानक जयंती
23.11.2021	अंगार की चतुर्थी
24.11.2021	वीड पंचमी
27.11.2021	कालाष्टमी, महाकाल भैरवष्टमी
28.11.2021	विद्यापती स्मृती दिवस
30.11.2021	वैतरणी व्रत

सिपला चौथी तिमाही में 357.68 करोड़ रुपये के समेकित लाभ के साथ सबसे आगे है

सिप्ला कंपनी ने अपने मुनाफे में उल्लेखनीय वृद्धि देखी, जो 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में रु.357.68 करोड़ थी। इस तरह की एक मजबूत बाजार बिक्री के साथ, कंपनी 6,000 करोड़ रुपये का सामूहिक धन जमा कर सकती है। सिप्ला के वित्तीय वर्ष के मुनाफे की तुलना भी 153.25 करोड़ रुपये की लाभ वृद्धि को दर्शाती है। इस तिमाही का कुल राजस्व सृजन रु.4,403.98 करोड़ तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के दौरान रु.3,697.97 करोड़ है।

सिप्ला ड्रग कंपनी की राजस्व सीमा में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। एक और अलग फाइलिंग में कहा गया है कि बोर्ड यहां 6,000 करोड़ रुपये तक के फंड को मंजूरी देता है और जुटाता है। यह राशि इक्विटी शेयरों, वैश्विक डिपॉजिटरी रसीदों, अमेरिकी डिपॉजिटरी रसीदों और अन्य प्रकार के परिवर्तनीय बांडों में रूपांतरण के लिए जारी की जाती है। सिप्ला ने उल्लेख किया कि वे निजी प्लेसमेंट के माध्यम से जारी किए गए भारतीय रुपये के मूल्यवर्ग का उपयोग करेंगे।

सिप्ला ने वार्षिक आम बैठक में किया खुलासे

सिप्ला के ग्लोबल सीईओ और एमडी, उमंग वोहरा ने कहा, "वित्त वर्ष 2019 सिप्ला के लिए एक मजबूत नोट पर समाप्त हुआ। जबकि भारत और दक्षिण अफ्रीका के हमारे घरेलू बाजारों ने आगे बढ़ना जारी रखा, हमारे अमेरिकी व्यापार ने अलग-अलग प्रत्यक्ष-से-बाजार लॉन्च से मजबूत आधार वृद्धि स्थापित की।

उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी सही रास्ते पर चलने के लिए एक श्वसन पाइपलाइन बना रही है। प्रबंधन स्तर पर और अस्थिर बाजारों से संबंधित विशिष्ट चुनौतियां हैं जिनमें यह रहता है। इसके अलावा, उन्होंने खुलासा किया कि थ्ल19 ने दुनिया भर में मरीजों की पेशकश को बढ़ाने के लिए कुछ मूल्यवान कदमों को छोड़ दिया।

सिप्ला कैंपेन की नई हाइलाइट्स

रणनीतिक अधिग्रहण, नवोन्मेषी उत्पादों का विकास और कुछ स्वास्थ्य अभियान उनकी आवश्यक सूची में थे। वे बेहतर स्थिति बनाने के लिए डिजिटल हेल्थकेयर समाधानों की ओर भी बढ़ रहे हैं।

कंपनी बोर्ड ने अंतिम लाभांश का आवंटन दिया है जिसकी कीमत 3 रुपये/इक्विटी शेयर है जो 31 मार्च, 2019 के वित्तीय वर्ष को समाप्त होता है। सिप्ला बीएसई में 572.80 रुपये/स्क्रिप पर कारोबार कर रहा है और पिछले से 2. 51% प्राप्त करता है। बंद करे।

ड्रग मेजर सिप्ला इस तिमाही के अंत में 412 करोड़ रुपये के कुल शुद्ध लाभ के साथ 73% समेकन के निशान पर पहुंच गया। यह इन समय के दौरान बाजार में मजबूत बिक्री का उल्लेख करता है। मुंबई स्थित फर्म के बयान के अनुसार, जनवरी-मार्च 2020 के महीनों में 238 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया गया है। सिप्ला में कुल राजस्व संचालन में 4606 करोड़ रुपये की उछाल देखी गई है। इसकी नियामक फाइलिंग।

सिप्ला द्वारा नवीनतम विकास

सिप्ला के कई पहलुओं पर बारीकी से जांच करने से यह स्पष्ट है कि दवा कंपनी महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल कर रही है और आने वाले भविष्य में अभी तक नए रिकॉर्ड नहीं बना पाई है। सिप्ला भारत के सबसे पुराने फार्मा ब्रांडों में से एक है और इसने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में कई दवा वितरण का सफलतापूर्वक प्रयास किया है। इसकी प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण नीति और रणनीतिक विकास ग्राफ है, जो इसे देश के शीर्ष ब्रांडों में से एक बनाता है।

इस फार्मा ब्रांड की नई अंतर्दृष्टि और विकास और भारत के समग्र फार्मा और स्वास्थ्य सेवा उद्योग के विकास पर इसकी स्थिति की प्रतीक्षा करना उचित होगा। इस फार्मा ब्रांड के समग्र कामकाज का एक उचित विचार प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण विवरणों, तथ्यों और आंकड़ों पर ध्यान दें।

WHO का लक्ष्य गरीब राष्ट्रों के लिए कोविड-19 दवाओं का प्रावधान करना है

ACT-A G20 और अन्य दानदाताओं से अनुरोध करता है कि वे सभी वंचित देशों में COVID से संबंधित दवाओं के उचित वितरण के लिए 22.8 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त फंड प्रदान करें। दवाओं का पूर्ण फैलाव सुनिश्चित करने के लिए सितंबर 2022 तक गोलियां देने का लक्ष्य है। यह उन्नत और धनी देशों में आपूर्ति के अंतराल को भरने में मदद करता है। कई दानदाताओं ने कार्यक्रम के लिए 18.5 बिलियन डॉलर की पेशकश करने का भी वादा किया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्दिष्ट कार्यक्रम के साथ, विक. ासशील देश एंटीवायरल दवाएं प्रदान करने के लिए COVID-19 संबंधित परीक्षणों और टीकों तक पहुंच की अनुमति दे सकते हैं। यह मर्क्स एंड कंपनी की एक प्रायोगिक गोली है जो मध्यम लक्षणों वाले रोगियों के इलाज के लिए दवाएं प्रदान करती है। यह हल्के लक्षणों के उपचार में मदद कर सकता है, और इसकी लागत +10 से कम नहीं है।

हाइलाइट्स बताते हैं कि डब्ल्यूएचओ ने दवा और परीक्षण आपूर्ति को बढ़ाया

एक विस्तृत दस्तावेज में अगले साल सितंबर तक एक्सेस टू कोविड टूल्स एक्सेलेरेटर (एसीटी-ए) से संबंधित सभी लक्ष्यों का उल्लेख है। दस्तावेज के अनुसार, यह कार्यक्रम गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर देशों के लिए लगभग 1 बिलियन कोविड-19 परीक्षण कर सकता है। इन दवाओं की खरीद से पूरी दुनिया में 12 करोड़ मरीजों के इलाज का अनुमान है। गिनती अगले 12 महीनों के भीतर 200 मिलियन नवीनतम मामलों को जन्म दे सकती है।

डब्ल्यूएचओ के नवीनतम कार्यक्रम के अनुसार, दवाओं की आपूर्ति कम कीमत पर उपलब्ध है, और अमीर देश भी इसे उच्च दरों पर ऑर्डर कर सकते हैं। यह दुनिया के सबसे गरीब देशों के लिए त्वरित और समय पर शॉट्स की अनुमति देने के संबंध में है।

अधिनियम-ए के प्रवक्ता ने दस्तावेज के तथ्य उजागर किए

WHO के दस्तावेज में कहा गया है कि महीने के अंत में रोम में G20 शिखर सम्मेलन में दान देने के लिए वैश्विक नेता आगे आ रहे हैं। दानदाताओं को सितंबर 2022 के अंत तक 22.8 अरब डॉलर की अतिरिक्त फंडिंग की पेशकश करने के लिए कहा गया है।

अनुरोध रोगियों को हल्के लक्षणों वाले लोगों के लिए मौखिक एंटीवायरल की पेशकश करने के लिए + 10 का पाठ्यक्रम प्रदान करने पर आधारित हैं। इन गोलियों को मोल्नुपिरवीर द्वारा विकसित किया गया था और अंतिम चरण के परीक्षणों के दौरान सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं। इसकी मूल लागत प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए +700 है। जेने. रिक दवा निर्माताओं के हस्तक्षेप के बाद, उसी पैकेज की कीमत +20 से अधिक नहीं होगी।

नई बाध्यकारी बोलियों के एवज में फोर्टिस हेल्थकेयर के लिए नई समय सीमा विस्तार

फोर्टिस हेल्थकेयर एक महत्वपूर्ण नकदी संकट से गुजर रहा है और अन्य प्रक्रियाओं के लिए एक उपयुक्त खरीदार खोजने का प्रयास कर रहा है। वे इस उद्देश्य के लिए बाध्यकारी बोलियां हैं, और बाध्यकारी बोलियां जमा करने से संबंधित नई विस्तारित समय सीमा 28 जून तक चल सकती है।

इस महीने पहले, फोर्टिस हेल्थकेयर ने मुंजाल-बर्मन, मलेशिया के आईएचएच हेल्थकेयर बरहाद जैसी शीर्ष चार संस्थाओं को शॉर्टलिस्ट किया था। मणिपाल-टीपीजी कंसोर्टियम, और रेडिएंट लाइफ केयर को इसकी व्यावसायिक बिक्री पर बोली लगाने के लिए। फोर्टिस भारत में कुलीन स्वास्थ्य देखभाल ब्रांडों में से एक है, लेकिन हालिया परिदृश्य इसे एक नए खरीदार की तलाश करने और उसी ब्रांड के तहत व्यापार संचालन को समाप्त करने के लिए मजबूर कर रहा है। बाध्यकारी बोलियां जमा करने की नवीनतम विस्तारित समय सीमा कुछ मामलों में 28 जून या उससे भी अधिक तक बढ़ सकती है। इस महीने के शुरुआती दिनों में फोर्टिस हेल्थकेयर ने नई समयबद्ध बोली प्रक्रिया शुरू की थी। यह मुंजाल-बर्मन गठबंधन द्वारा रखे गए प्रस्तावों की बिक्री और समाप्ति से संबंधित है।

बाध्यकारी बोलियां जमा करने की अंतिम समय सीमा जून 14 थी

बाध्यकारी बोलियों की तारीखों में हाल ही में बदलाव किए गए हैं, और यह गुरुवार, 28 जून, 2018 की शुरुआत में संशोधन के अधीन है। एक अन्य नियामक फाइलिंग में, फोर्टिस ने इस संबंध में कई अन्य सुधारों और संशोधनों का खुलासा किया।

कंपनी लोगों के लिए न्यूनतम 1500 करोड़ रुपये के निवेश को लक्षित करने के इच्छुक खरीदारों के लिए नए मानदंड स्थापित कर रही है। यह तरजीही आवंटन के साथ आगे बढ़ेगा और बाद में आरएचटी हेल्थ ट्रस्ट योजना के लिए धन या अधिग्रहण के लिए आगे बढ़ेगा। यह निदान शाखा एसआरएल से संबंधित निजी इक्विटी निवेशकों के लिए एक निकास की पेशकश कर सकता है।

गहन अध्ययन के अनुसार, रखी गई बोलियों को बिना शर्त होना चाहिए और लेनदेन को निर्दिष्ट करने के लिए फंड स्रोतों का उल्लेख करना चाहिए। यह हाल के कर्मचारियों और प्रबंधन स्तरों के प्रतिधारण के प्रबंधन के लिए योजना विस्तार में भी मदद कर सकता है।

वार्षिक वित्तीय रिपोर्ट के अनुमोदन के बारे में फोर्टिस स्थगित

अब तक, फोर्टिस हेल्थकेयर द्वारा रिपोर्ट की घोषणा के संदर्भ में अस्पष्टता रही है, और इस संबंध में कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं है। संस्था ने 31 मार्च, 2018 को समाप्त होने वाली वित्तीय जानकारी पर एक स्थगित अनुमोदन प्रदान किया है। इसमें आगे उल्लेख किया गया है कि आंतरिक जांच का विश्लेषण करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है, और यह आगे अपनी वित्तीय अनियमितताओं का प्रतिनिधित्व करता है।

हालिया अध्ययन के अनुसार, खाता प्रबंधन के लिए अनुमोदन तिथि 25 जून, 2018 से अधिक नहीं बढ़ेगी। पहले की रिपोर्टों के अनुसार, कंपनी बोर्ड की बैठक को भी स्थगित कर सकती है जो पहले चौथी तिमाही के दौरान वित्तीय परिणामों के प्रबंधन के लिए निर्धारित की गई थी। इस बैकलॉग का प्राथमिक कारण उनकी रिपोर्ट और निष्कर्षों में पारदर्शिता का अभाव है।

मुश्किल दौर से गुजर रहा है फोर्टिस

निष्कर्ष में विचार-विमर्श और अन्य प्रक्रिया के बारे में कोई निश्चितता नहीं होने के कारण, यह निश्चित है कि फोर्टिस हेल्थकेयर को भविष्य में महत्वपूर्ण नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं। यह संस्था के स्थगित होने का एक प्राथमिक कारण भी हो सकता है।

हेल्थकेयर उद्योग के विश्लेषक और विशेषज्ञ अभी भी वास्तविक आंकड़ों और रिपोर्ट में प्रस्तुत किए गए लोगों के बीच अंतराल का मूल्यांकन करने की को. शिश कर रहे हैं। इस प्रक्रिया में कोई भी बड़ी खामी आने वाले भविष्य में बड़ी समस्याओं का कारण बन सकती है। फिलहाल, पीछे हटना और भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में परिवर्तनों का आकलन करना सही है। लंबे समय तक चलने वाले महामारी युग के बाद चिकित्सा उद्योग में समग्र परिवर्तनों और सफलताओं का विश्लेषण करना दिलचस्प होगा।

हमारी प्यारी बेटियाँ

बहुत चंचल बहुत खुशनुमा सी होती हैं बेटियाँ,
नाजुक सा दिल रखती हैं, मासूम सी होती हैं बेटियाँ,
बात-बात पर रोती हैं, नादान सी होती हैं बेटियाँ,
है रहमत से भरपूर, खुदा की नेहमत ये बेटियाँ,
घर भी महक उठता है, जब मुस्कुराती हैं "बेटियाँ"
यह हम नहीं कहते, यह तो "खुदा" कहता है,
कि जब मैं बहुत खुश होता हूँ तो
पैदा होती हैं बेटियाँ.

घर पर रहें, सुरक्षित रहें.
"समयानुसार बुरे दिन तो निकल जाते हैं पर वे अपनी पहचान छोड़ जाते हैं."

फिलिप्स-मेडिसाइज दवा वितरण, डायग्नोस्टिक और मेडटेक इनोवेशन को चलाने के लिए वैश्विक विनिर्माण क्षमता, क्षमताओं और सहयोग को बढ़ाता है

हडसन, फिलिप्स-मेडिसाइजमोलेक्स कंपनी और ड्रग डिलीवरी, डायग्नोस्टिक और मेडटेक उपकरणों के डिजाइन और निर्माण में अग्रणी, गेम-चेंजिंग उत्पादों की डिलीवरी को कारगर बनाने के लिए विस्तारित उत्पाद डिजाइन, विकास और निर्माण क्षमताओं के साथ-साथ अपने वैश्विक विनिर्माण पदचिह्न के विस्तार की घोषणा करता है और समाधान। कंपनी की वैश्विक पहुंच में अब 36 विश्व स्तरीय सुविधाएं शामिल हैं, जिसमें स्केलेबल, एंड-टू-एंड क्षमताएं हैं, जो ग्राहकों को दुनिया में कहीं से भी तेजी से और कुशलता से बाजार में अभूतपूर्व उत्पाद लाने में मदद करती हैं। मोलेक्स के मेडिकल और फार्मास्युटिकल सॉल्यूशंस के अध्यक्ष पॉल चौफिन ने कहा, 'अग्रणी वैश्विक ग्राहकों के लिए पसंदीदा भागीदार के रूप में, हम लगातार नई प्रतिभाओं और प्रौद्योगिकियों में निवेश करते हैं जो संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में फिलिप्स-मेडिसाइज की क्षमता और क्षमताओं को बढ़ाते हैं।' 'हमारी विस्तारित वैश्विक पहुंच और संसाधन हमें अधिक स्थानीय उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और त्वरित गो-टू-मार्केट रणनीतियों के लिए ग्राहकों की बढ़ती मांगों को पूरा करते हुए जटिल विकास और विनिर्माण चुनौतियों को हल करने में सक्षम बनाएंगे।'

स्थानीय समर्थन के लिए बढ़ते पदचिह्न, वैश्विक स्तर

महाद्वीपीय यूरोप में ग्राहकों की बढ़ती उत्पादन मांगों को पूरा करने के लिए, फिलिप्स-मेडिसाइज पोलैंड के केटोवाइस में एक अत्याधुनिक चिकित्सा निर्माण सुविधा का निर्माण कर रहा है। 2022 में खुलने की उम्मीद है, यह साइट एशिया, यूरोप, भारत, मैक्सिको और उत्तरी अमे. रिका में उत्पादन स्थलों और नवाचार केंद्रों का पूरक होगा। फिलिप्स-मेडिसाइज भी वैश्विक और क्षेत्रीय फार्मास्युटिकल और मेडटेक ग्राहकों दोनों की सेवा के लिए सूजौ, चीन में अपनी उत्पादन क्षमता का विस्तार कर रहा है। इसके अतिरिक्त, लिटिल रॉक, आर्क में एक मौजूदा मोलेक्स उत्पादन सुविधा का परिवर्तन चल रहा है, जिससे फिलिप्स-मेडिसाइज अमेरिका में उच्च मात्रा, नैदानिक उपकरण निर्माण के लिए लगातार बढ़ती आवश्यकताओं के साथ तालमेल बिठाने में सक्षम है। एक बार जब ये विस्तार पूर्ण हो जाएंगे तो फिलिप्स-मेडिसाइज देश के लगभग तीन मिलियन वर्ग फुट / 280,000 वर्ग मीटर और दुनिया भर में क्षेत्र-विशिष्ट विनिर्माण स्थान और आर एंड डी क्षमताओं की पेशकश करेगा। कंपनी 600,000 वर्ग फुट / 55,000 वर्ग मीटर कक्षा 7 और 8 के क्लीनरूम का भी समर्थन करेगी, जो मौजूदा उपकरण निर्माण साइटों के साथ-साथ वैश्विक गुणवत्ता और नियामक प्रणालियों के पूरक हैं। 2020 में, फिलिप्स-मेडिसाइज ने सेंट क्रोक्स मीडोज, विस्क में एक नई सुविधा पूरी की, जिसमें 285,000 वर्ग फुट / 26,000 वर्ग मीटर मेडिकल डायग्नोस्टिक ग्राहकों के लिए मोल्डेड घटकों के उत्पादन का समर्थन करते हैं, जिन्हें उच्च मात्रा में असेंबली और विनियमित उत्पादों की पैकेजिंग की आवश्यकता होती है। इस सुविधा में लगभग 64,000 वर्ग फुट / 6,000 वर्ग मीटर आईएसओ 14644-1 कक्षा 8 क्लीनरूम भी शामिल है।

एंड-टू-एंड क्षमताओं का विस्तार

मेडिकल-डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग सॉल्यूशंस के अपने वन-स्टॉप-शॉप के हिस्से के रूप में, फिलिप्स-मेडिसाइज मैन्युफैक्चरिंग और असेंबली उत्कृष्टता के लिए डिजाइन पर केंद्रित है। सिद्ध फ्रंट-एंड इनोवेशन, मानव-कारक इंजीनियरिंग, और गुणवत्ता को बाजार में जोखिम और लागत को कम करने के लिए नियामक पालन के साथ एकीकृत किया गया है। जटिल मोल्डिंग, ड्रग और रिएजेंट हैंडलिंग के साथ-साथ अंतिम पैकेजिंग और क्रमांकन में विस्तारित क्षमताएं ग्राहकों को गो-टू-मार्केट रणनीतियों को अनुकूलित करते हुए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने में सक्षम बनाती हैं। प्लास्टिक, धातु, इलेक्ट्रॉनिक्स और कनेक्टिविटी में फिलिप्स-मेडिसाइज की संयुक्त विशेषज्ञता विभिन्न समाधानों के विकास को आसान बनाती है, जिसमें सुई-आधारित इंजेक्शन सिस्टम और पहनने योग्य इंजेक्शन तकनीक जैसे संयोजन उपकरण शामिल हैं। प्रत्येक साइट पर समर्पित नए उत्पाद परिचय (एनपीआई) टीमों द्वारा कठोर गुणवत्ता प्रबंधन के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया जाता है। फिलिप्स-मेडिसाइज की निरंतर वृद्धि का समर्थन करने के लिए प्रतिभा अधिग्रहण में रणनीतिक निवेश से अगले कुछ वर्षों में दुनिया भर में कम से कम 1,000 कर्मचारियों को जोड़ने की उम्मीद है।

उद्योग-अग्रणी सहयोगों का अनुकूलन

सहयोग का एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड यह सुनिश्चित करता है कि दवा वितरण, नैदानिक और मेडटेक उपकरणों में नवीनतम प्रगति में फिलिप्स-मेडिसाइज सबसे आगे है। आज, क्रेडेंस मेडसिस्टम्स ने घोषणा की ए फिलिप्स-मेडिसाइज के साथ रणनीतिक पहल जिसमें फिलिप्स-मेडिसाइज लेटरकेनी, आयरलैंड साइट और पोलैंड में नई सुविधा पर क्रेडेंस कंपेनियन और ड्यूल चौंबर पुनर्गठन सिस्टम का रैंपिंग उत्पादन शामिल है। क्रेडेंस मेडसिस्टम्स के सीओओ जेफ टिलैक ने कहा, 'हम फिलिप्स-मेडिसाइज के विश्व स्तरीय निर्माण का लाभ उठाने के लिए उत्साहित हैं क्योंकि हम पोलैंड में नई अत्याधुनिक सुविधा में उच्च मात्रा में स्वचालन की ओर बढ़ रहे हैं।' 'हमारे संचालन और यूरोपीय ग्राहकों के करीब उत्पादन को बढ़ाने का अवसर हमारे फार्मा ग्राहकों और उनके अंतिम उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए हमारे अभिनव समाधानों के बाजार वितरण में तेजी लाएगा।'

सितम्बर में, ग्लूकोमोडिकम ने एक डिजाइन और विकास कार्यक्रम में प्रवेश कियाफिलिप्स-मेडिसाइज के साथ अपने तालिस्मैन सुई-मुक्त निरंतर ग्लूकोज मॉनिटर के लिए विनिर्माण के तेजी से पैमाने के लिए, जो अद्वितीय मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक (एमएचडी) तकनीक का उपयोग करता है। इसके अलावा पिछले महीने, पेरिस स्थितआईवेंसिस ने सगाई की घोषणा की फिलिप्स-मेडिसाइज के साथ अपने ओकुलर डिवाइस घटक के डिजाइन, विकास और उच्च मात्रा में निर्माण को अनुकूलित करने के लिए जो विभिन्न नेत्र रोगों के इलाज के लिए उपन्यास जीन थेरेपी के वितरण को शक्ति प्रदान करता है।

मेडिकल टेक इनोवेशन फोरम भारतीय चिकित्सा उपकरण उद्योग में नवाचार और बुनियादी ढांचे के महत्व को बढ़ाता है

चिकित्सा उपकरण निर्माण और नवाचार के लिए वैश्विक केंद्र बनने के भारत के लक्ष्य के अनुरूप, मेस्से फ्रैंकफर्ट इंडिया और आंध्र प्रदेश मेडटेक जोन (एएमटीजेड) ने अक्टूबर 2021 में कलाम कन्वेंशन सेंटर, एएमटीजेड कैंपस में मेडिकलटेक इनोवेशन फोरम (एमआईएफ) का पहला संस्करण सफलतापूर्वक लॉन्च किया। विशाखापत्तनम।

अपनी छत के नीचे 192 प्रतिनिधियों के साथ, फोरम ने नीति निर्माताओं, चिकित्सा प्रौद्योगिकी उद्योग के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नेताओं, अकाद. मिक और अनुसंधान बिरादरी को भारतीय चिकित्सा उपकरण उद्योग के विकास को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों पर चर्चा करने के लिए एकजुट किया, जैसे कि आयात निर्भरता, अधिक निवेश की आवश्यकता और सहयोग।

दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन स्वास्थ्य सेवा की दुनिया के प्रमुख और प्रसिद्ध सदस्यों द्वारा किया गया, जिनमें शामिल हैं:

1. डॉ जितेंद्र शर्मा, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आंध्र प्रदेश मेडटेक जोन, 2. डॉ उमा नांबियार, प्रबंध निदेशक, जीडेन लाइफ साइंसेज और चेयरपर्सन, डीएचआईए, 3. डॉ मनोज चुघ, उपाध्यक्ष और प्रमुख, अनुसंधान और विकास (अभिकर्मक), ट्रांसएशिया बायो-मेडिकल्स लिमिटेड।, 4. श्री सुधाकर मैरपदी, प्रमुख - गुणवत्ता, नियामक और सरकार। अफेयर्स, फिलिप्स इंडिया लिमिटेड, 5. डॉ आनंद कृष्णन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मेडिवली इनक्यूबेशन काउंसिल, आंध्र प्रदेश मेडटेक जोन, 6. श्री दिलीप कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बायोवैली इनक्यूबेशन काउंसिल, आंध्र प्रदेश मेडटेक जोन, 7. श्री रयू जंग-सुक, प्रबंध निदेशक - भारत, क्यूब मेडिकल - कोरिया और प्रबंध निदेशक, आईडीटीए (अंतर्राष्ट्रीय लाइलाज रोग उपचार संघ)

डॉ उमा नांबियार, प्रबंध निदेशक, जीडेन लाइफ साइंसेज और चेयरपर्सन, डिजिटल हेल्थ इंडिया एसोसिएशन (डीएचआईए) ने साझा किया: "भारत, जैसा कि हम सभी जानते हैं, दुनिया की फार्मेसी है। हम एक अच्छी और किफायती स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के लिए भी जाने जाते हैं, इसलिए यह स्वाभाविक है कि भारत में हमारे लिए अगला क्षेत्र चिकित्सा उपकरणों का उद्योग होगा। विभिन्न कारणों से हम अभी तक उस स्थान पर नहीं पहुँच पाए हैं जहाँ हमें होना चाहिए क्योंकि बड़ी कंपनियाँ पारंपरिक रूप से पश्चिम में केंद्रित हैं, लेकिन हम बहुत सारी कंपनियों को उपकरणों की आउटसोर्सिंग कर रहे हैं।" "हालांकि, हमने पिछले दो वर्षों में एक तरह की क्रांति देखी है। सरकार के श्आत्मनिर्भर भारतश पर ध्यान केंद्रित करने और स्वास्थ्य से संबंधित कई चीजों में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के कारण, हमने भारत को एक वर्ष के भीतर दुनिया में दूसरे सबसे बड़े निर्यातक के रूप में संक्रामक रोग उपचार में उपभोग्य सामग्रियों के आयातक के रूप में देखा है। यही हाल चिकित्सा उपकरण उद्योग में भी होगा।" डॉ नांबियार ने आगे कहा कि भारत में नियामक ढांचे में सुधार और सरकार की ओर से चिकित्सा उपकरणों में नवाचार के लिए प्रोत्साहन स्वास्थ्य सेवा उद्योग में होने वाली अगली सबसे अच्छी चीज होगी। डॉ श्रीकांत सोला, संस्थापक, सीईओ, और निदेशक, डेविक अर्थ प्राइवेट लिमिटेड, ने चिकित्सा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मौजूद उज्ज्वल अवसरों पर विस्तार से साझा किया: "चिकित्सा उपकरणों के भीतर विशेष रूप से ऑन्कोलॉजी जैसे क्षेत्रों में वयस्क बाल चिकित्सा श्रेणियों में निदान के अवसर हैं।, रेडियोलॉजी, कार्डियोलॉजी और अन्य प्रमुख विशेषता। चिकित्सा चिकित्सा विज्ञान, उपकरणों, उपचारों और एल्गोरिदम के भीतर भी अवसर हैं जो यह अनुमान लगाने में मदद करते हैं कि कोई मरीज कब बीमार पड़ने वाला है और उन्हें बेहतर होने में मदद करता है। इन उपकरणों में ऐसे उपचार शामिल हैं जिनका उपयोग अस्पताल में, आउट पेशेंट उपयोग के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं के भीतर और घर पर किया जा सकता है।" श्री अभिजीत घोष, सहायक औषधि नियंत्रक (चिकित्सा उपकरण), केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), जो प्रतिष्ठित मंच का हिस्सा थे, ने भी साझा किया: "चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र में बहुत गुंजा. इश है लेकिन यह भी है पहले उचित नियम स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण है।" "इस तरह के सम्मेलन स्टार्ट-अप, निर्माताओं और नियामकों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं जो सरकार को उद्योग के खिलाड़ियों की जरूरतों को समझने में मदद करेंगे। मुझे उम्मीद है कि आयोजक भारतीय चिकित्सा उपकरण उद्योग की बेहतरी के लिए इस तरह के कार्यक्रमों की मेजबानी करना जारी रखेंगे।" आयात की अधिकता को दूर करने और चिकित्सा उपकरणों और चिकित्सा प्रौद्योगिकी का एक स्वतंत्र उत्पादक बनने का लक्ष्य केवल स्थानीयकरण को बढ़ावा देने, स्टार्ट-अप को सशक्त बनाने और मानकीकृत चिकित्सा उपकरणों को अनुमोदित और प्रमाणित करने के लिए मेडटेक अनुसंधान और प्रमाणीकरण केंद्र स्थापित करने और समाप्त करने के द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है। आपूर्ति श्रृंखला से जालसाजी। कुल मिलाकर, मेस्से फ्रैंकफर्ट इंडिया और एएमटीजेड के बीच संयुक्त सहयोग, मेडिकलटेक इनोवेशन फोरम के शुभारंभ के माध्यम से, एक स्पष्ट सहयोगी दृष्टिकोण पर चर्चा करने और लंबे समय में पालन करने के लिए भारत में चिकित्सा उपकरण उद्योग के लिए एक रोडमैप तैयार करने के लिए एक लंबा सफर तय किया।

WHO ने 2022 में बड़े पैमाने पर सिरिंज की कमी की चेतावनी दी

जेनेवा:- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चेतावनी दी कि 2022 में दो अरब सीरिंज की कमी हो सकती है, जिससे वैश्विक स्तर पर वैक्सीन के प्रयासों में बाधा उत्पन्न होने का खतरा है यदि उत्पादन में सुधार नहीं होता है। कमी कोविड-19 वैक्सीन अभियानों का परिणाम है, दुनिया भर में सामान्य से अरबों अधिक सीरिंज का उपयोग किया जा रहा है, जिससे वैश्विक आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। दवाओं और स्वास्थ्य उत्पादों तक डब्ल्यूएचओ की वरिष्ठ सलाहकार लिसा हेडमैन ने कहा कि जैसे -जैसे कोविड-19 वैक्सीन की खुराक बढ़ती है, सीरिंज की आपूर्ति में गति बनाए रखने की जरूरत है। 'हम वास्तविक चिंता उठा रहे हैं कि हमारे पास टीकाकरण सीरिंज की कमी हो सकती है, जो बदले में गंभीर समस्याएं पैदा करेगी, जैसे टीकाकरण प्रयासों को धीमा करना,' उसने संवाददाताओं से कहा। 'वैक्सीन का उठाव कैसे होता है, इस पर निर्भर करते हुए, यह कहीं भी एक अरब से दो अरब तक का घाटा हो सकता है।' एएफपी टैली के अनुसार, विश्व स्तर पर 7.25 बिलियन से अधिक कोविड-19 वैक्सीन खुराक का प्रबंध किया गया है। यह प्रति वर्ष दिए जाने वाले नियमित टीकाकरण की संख्या से लगभग दोगुना है - और आवश्यक सीरिंज की संख्या से दोगुना है। हेडमैन ने कहा कि कमी का एक गंभीर परिणाम नियमित टीकाकरण में देरी हो सकता है, जो 'आने वाले वर्षों के लिए' सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल सकता है यदि युवाओं की एक पीढ़ी सामान्य बचपन के टीकाकरण से चूक जाती है। सीरिंज और सुई का पुन: उपयोग करने का असुरक्षित अभ्यास। हेडमैन ने कहा कि सिरिंज की आपूर्ति पर कोई भी बाधा निर्यात प्रतिबंधों और परिवहन समस्याओं से ही खराब हो सकती है। उन्होंने देशों से जमाखोरी और घबराहट की स्थिति से बचने के लिए सिरिंज की जरूरतों की योजना पहले से बनाने का आग्रह किया। हेडमैन ने कहा, 'वास्तविक संख्या के संदर्भ में उस जोखिम को शून्य तक कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं जो कि हम कम हो सकते हैं'।

4 वर्ष तक घर बैठे यह समाचार पत्र पढ़ने के लिये हमारे पंजाब नैशनल बैंक के खाता संख्या 1824002100120090, IFSC Code - PUNB0182400 Branch- Deputy Ganj जो कि फार्मा न्यूज के नाम से है, में रू० 500/- जमा कर अपना पूरा पता हमारे फोन नं०- 09410434811 पर SMS कर दें।

मॉडर्ना ने जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय से कोविड -19 बूस्टर शॉट अनुमोदन के लिए आवेदन किया

टोक्यो: मॉडर्न इंक ने बूस्टर शॉट्स के लिए अपने कोविड-19 टीकों का उपयोग करने के लिए जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय से अनुमोदन के लिए आवेदन, ब्रॉडकास्टर एनएचके ने सूचना दी. जापान ने इस साल दिसंबर से बूस्टर शॉट्स देना शुरू करने की योजना बनाई है, और गुरुवार को तीसरे दौर के टीकाकरण के लिए फाइजर कोविड-19 टीकों के उपयोग को पहले ही मंजूरी दे दी है. अगर मंजूरी मिल जाती है, तो मॉडर्ना का टीका जापान में बूस्टर शॉट्स के लिए स्वीकृत होने वाला दूसरा टीका बन जाएगा.

एनएचके के अनुसार जापान की लगभग 74% आबादी को पूरी तरह से टीका लगाया जा चुका है. देश में वर्तमान में महामारी की पांचवीं लहर के बाद मामलों में गिरावट देखी जा रही है जो अगस्त में चरम पर थी.

फार्मास्युटिकल क्षेत्र में पेटेंट आवेदन दाखिल करने के मामले में भारत तेज : WIPO रिपोर्ट

नई दिल्ली: भारत फार्मास्युटिकल क्षेत्र में आवेदन दाखिल करने के मामले में तेज रहा है, 2017-2019 की अवधि के दौरान बड़े मध्यम आय वाले देशों में, भारत में रहने वाले आवेदकों ने विश्व बौद्धिक संपदा संकेतकों के अनुसार फार्मास्यूटिकल्स में कुल पेटेंट आवेदनों का 17.8% दायर किया। 2021, विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) द्वारा जारी एक रिपोर्ट । वैश्विक स्तर पर फार्मास्यूटिकल्स से संबंधित पेटेंट 2009-2019 की अवधि में केवल 2.7 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई, 2009 में 73,865 प्रकाशित आवेदनों से 2019 में 96,737 प्रकाशित आवेदन हो गए। हालांकि, भारत में रहने वाले आवेदकों के कुल प्रकाशित आवेदनों में से लगभग 17.8 प्रतिशत में थे। 2017 से फार्मास्यूटिकल्स "इसी अवधि (2017-2019) के दौरान बड़े मध्यम आय वाले देशों में, भारत में रहने वाले आवेदकों (कुल प्रकाशित आवेदनों का 17.8%) और मेक्सिको (10.5%) ने फार्मास्यूटिकल्स में सबसे अधिक आवेदन किया। चूंकि डेटा केवल 2019 तक उपलब्ध है, इसलिए फार्मास्युटिकल पेटेंटिंग गतिविधि पर COVID-19 संकट के प्रभाव का निरीक्षण करना जल्दबाजी होगी, "रिपोर्ट में कहा गया है। दशक के दौरान जैव प्रौद्योगिकी 6.3 प्रतिशत बढ़ी, 2009 में 38,403 प्रकाशित आवेदनों से दुनिया भर में 2019 में 70,520 प्रकाशित आवेदन हो गए।

दिलचस्प बात यह है कि रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में, जीवन विज्ञान से संबंधित प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में 2020 में महिला आविष्कारकों के साथ पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) के आवेदनों का तुलनात्मक रूप से उच्च हिस्सा था। कुल संख्या के मामले में भारत दो रैंक ऊपर आठवें स्थान पर पहुंच गया है। वर्ष 2020 के दौरान निवासी और विदेश में फाइलिंग सहित आईपी फाइलिंग गतिविधि, वर्ष 2018 के दौरान सूची में 10वें स्थान से। 2019 में, देश नौवें स्थान पर था, जबकि चीन और अमेरिका ने अपना शीर्ष बनाए रखा। 'महिलाओं ने जैव प्रौद्योगिकी (29.5%), खाद्य रसायन (29.4%), फार्मास्यूटिकल्स (28.6%), जैविक सामग्री के विश्लेषण (25.9%) और कार्बनिक ठीक रसायन के क्षेत्र में प्रकाशित पीसीटी अनुप्रयोगों में सूचीबद्ध एक-चौथाई से अधिक आविष्कारकों का प्रतिनिधित्व किया। (25.2%),' यह कहा।

भारत को पेटेंट के मामले में नौवां, व्यापार चिह्नों के मामले में छठा और डिजाइन के मामले में 13वां स्थान दिया गया है, वर्ष 2020 में, निवासी और विदेश में आईपी फाइलिंग दोनों को देखते हुए। रैंक सूची में चीन सबसे आगे है, उसके बाद अमेरिका, जर्मनी, जापान, कोरिया गणराज्य, फ्रांस और यूके का स्थान है। निवासी आईपी गतिविधि के मामले में, 2020 के दौरान, भारत सातवें स्थान पर रहा।

'भारत में 4.5 साल के औसत अनुभव के साथ लगभग 615 पेटेंट परीक्षक हैं, जबकि चीन में 13,704 परीक्षकों की संख्या सबसे अधिक है, इसके बाद अमेरिका (8,132) है। भारत में एक आवेदन के अंतिम निर्णय के लिए औसत पेंडेंसी समय लगभग 42 महीने है, जबकि चीन और अमेरिका में क्रमशः 20 महीने और 20.8 महीने हैं। भारत में पेटेंट दाखिल करने के बाद पहली कार्यालय कार्रवाई दाखिल करने से 18 महीने की औसत अवधि में की जाती है,' रिपोर्ट में कहा गया है।

केरल में मरीजों की जान बचाने वाली कोविड कॉकटेल दवा

कोच्चि: कुंजुमन पीसी मई में मोनोक्लोनल एंटीबॉडी या कॉकटेल दवा देने वाले पहले कोविड सकारात्मक व्यक्तियों में से एक था, भारत में इसे मंजूरी मिलने के तुरंत बाद "हल्के से मध्यम कोविड रोगियों के लिए आपातकालीन स्थिति में प्रतिबंधित उपयोग के लिए, जो उच्च जोखिम में हैं। गंभीर बीमारी विकसित करना"।

"वायरस के लिए सकारात्मक परीक्षण के तीन दिन बाद, मुझे गंभीर निमोनिया, थकान और शरीर में दर्द हुआ। मेरे ऑक्सीजन का स्तर गिर गया और मैं आईसीयू में बेहोशी की हालत में पहुंच गया।

चूंकि उस समय उपलब्ध अधिकांश कोविड दवाएं अप्रभावी थीं, इसलिए डॉक्टरों ने मेरे परिवार की सहमति ली कि नई शुरू की गई कॉकटेल दवा को प्रशासित किया जाए। धीरे-धीरे, मेरी हालत में सुधार हुआ और एक महीने के अस्पताल में भर्ती होने के बाद मैंने अस्पताल को स्वस्थ और हार्दिक छोड़ दिया। यह भगवान का चमत्कार और कॉकटेल ड्रग है जिसने मेरी जान बचाई," 54 वर्षीय कुंजुमन ने कहा।

डॉक्टरों ने कहा कि अब छह महीने बाद, मोनोक्लोनल एंटीबॉडी दवा, टीकाकरण के साथ, केरल में लोगों की जान बचा रही है और अस्पताल में भर्ती होने से रोक रही है , यहां तक कि दैनिक मामलों की संख्या भी अधिक है। कुंजुमोन के विपरीत, जिन्हें अस्पताल में भर्ती होने के बाद दवा दी गई थी, डॉक्टरों सहित कोविड सकारात्मक रोगियों की बढ़ती संख्या, उनमें से कई सफलता संक्रमण के शिकार हैं। अब वे कोविड की जटिलताओं से त्रस्त होने से बहुत पहले मोनोक्लोनल एंटीबॉडी उपचार का विकल्प चुन रहे हैं।

"कई कोविड रोगी अब अस्पताल में आते हैं, कॉकटेल दवा लेते हैं और घर जाते हैं। वस्तुतः अभी तक कोई साइड इफेक्ट की सूचना नहीं है और आप गंभीर संक्रमण और अस्पताल में भर्ती होने से सुरक्षित हैं," पूर्व इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) के अध्यक्ष डॉ वीजी प्रदीप कुमार ने कहा, जिन्होंने हाल ही में दो खुराक मिलने के बावजूद कोविड से संबंधित श्वसन लक्षण विकसित करने के बाद दवा ली थी। टीकाकरण का वैश्विक अध्ययनों से पता चलता है कि कॉकटेल दवा लेने के बाद कोविड रोगियों में गंभीर बीमारी की प्रगति में 70% की कमी आई है और इसी तरह की प्रवृत्ति केरल में भी देखी जा रही है।

"जब हम उच्च जोखिम वाले कोविड रोगियों को सलाह देते हैं, तो उनमें से 90% से अधिक दवा लेने को तैयार होते हैं। हमने अपने अस्पताल में लगभग 400 रोगियों को दवा दी है और केवल 12 रोगियों में गंभीर बीमारी की प्रगति देखी गई है," डॉ मुहम्मद नियास, संक्रामक रोग, KIMS स्वास्थ्य ने कहा।

न केवल निजी अस्पतालों में बल्कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों में भी दवा की मांग बहुत अधिक है। "ज्यादातर सरकारी अस्पतालों में, दवा अब स्टॉक से बाहर है और उन्होंने अस्पताल के स्टोर के माध्यम से अनुरोध किया है। लेकिन यह बहुत महंगी दवा है," एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा। निजी अस्पतालों में दवा की कीमत 55,000 रुपये से 60,000 रुपये के बीच होती है जबकि सरकारी अस्पताल उन्हें मुफ्त में देते हैं।

"हम इस दवा को विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों और प्रतिरक्षित असंबद्ध कोविड रोगियों को देने की सलाह देते हैं। हालांकि, यह एक महंगी दवा है और लोगों को यह समझने की जरूरत है कि टीकाकरण संक्रमण के प्रसार को रोकने और रोकने की कुंजी है," डॉ चांदिनी आर, चेयरपर्सन, स्टेट मेडिकल बोर्ड ने कहा। कोविड रोगियों का इलाज करने वाले अधिकांश अस्पतालों ने उच्च जोखिम वाले समूह में कम से कम 100 हल्के से मध्यम कोविड रोगियों को कॉकटेल दवा दी है और उनमें से अधिकांश अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता के बिना ठीक हो गए हैं।

"रिकवरी परीक्षण बीमार मामलों में भी मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के उपयोग को स्थापित करते हैं। आदर्श रूप से, आईसीयू मामलों में, एंटीबॉडी प्रतिक्रिया का परीक्षण किया जाना चाहिए और यदि अभी तक माउंट नहीं किया गया है, तो इंटुबैषेण से पहले एक एंटीबॉडी कॉकटेल का उपयोग किया जा सकता है और यह बिना प्रक्रियाओं के जीवन बचाता है जो बहुत अधिक पूंजी गहन हैं," डॉ जोसेफ के जोसेफ, सलाहकार, आंतरिक चिकित्सा और मधुमेह विशेषज्ञ ने कहा। वीपीएस लक्षेशोर अस्पताल में, जिन्होंने कुंजुमन का इलाज किया।

Meerut Lifeline Hospital
1. Near Muslim Inter College, Raje Babu Road, Bulandshahr
2. 990 B, Karan Puri, Hapur Road, Gulaothi
3. Opp. Indane Oil Petrol Pump, Jewer Road, Jhajhar
Director: Dr. Murslin Panwar
Ph.: 9536851888, 9536852888
Email: meerutlifelinehospitalbsr@gmail.com

भारत को "न्यूट्रास्युटिकल्स पावर हाउस" बनाने के लिए सरकार और उद्योग कैसे सहयोग कर सकते हैं

न्यूट्रास्यूटिकल्स भारतीय स्वास्थ्य और कल्याण बाजार के लिए एक नया परिवर्तन ला रहे हैं। वैकल्पिक चिकित्सा और आयुर्वेद और यूनानी जैसी पारंपरिक प्रथाओं के लंबे इतिहास के साथ, भारत न्यूट्रास्युटिकल्स के नए चलन के प्रति बेहद ग्रहणशील रहा है, जिसका उद्देश्य आहार की खुराक के सेवन के माध्यम से लोगों के लिए एक स्वस्थ और समृद्ध जीवन शैली का निर्माण करना है। न्यूट्रास्यूटिकल्स के लिए बाजार, साथ ही प्रोबायोटिक्स और प्रीबायोटिक्स जैसे खाद्य पूरक की समग्र लोकप्रियता, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे पश्चिमी देशों में मौजूद थी। 2011 में भारत में इसका प्रभाव दिखना शुरू हुआ और तब से, भारतीय लोगों द्वारा न्यूट्रास्यूटिकल्स का खुले हाथों से स्वागत किया गया है। तथ्य यह है कि यह क्षेत्र देश में इतनी तेजी से विकसित हुआ है कि यह दर्शाता है।

2025 के अंत तक, बाजार के 382.5 अरब डॉलर के मौजूदा स्तर से बढ़कर 722.4 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। भारत में बाजार 35 प्रतिशत सीएजीआर से विकसित हो रहा है, जो दर्शाता है कि देश न्यूट्रास्युटिकल्स क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने की राह पर है। भारत आयुर्वेद और यूनानी जैसी अन्य सदियों पुरानी पारंपरिक औषधीय तकनीकों को शामिल करके न्यूट्रा क्षेत्र को और बदल सकता है, और समग्र स्वास्थ्य में सुधार के लिए दुनिया को अत्यधिक लाभप्रद विकल्प के साथ पेश कर सकता है।

इस तीव्र विकास से यह सिद्ध हो गया है कि भारत एक न्यूट्रास्युटिकल्स पावरहाउस बन सकता है, और दुनिया के लिए न्यूट्रास्युटिकल्स का सबसे बड़ा निर्यातक अगर सरकार और उद्योग भविष्य के लिए एक मजबूत योजना बनाने के लिए एक साथ आते हैं। आहार की खुराक के लिए बाजार में तेज गति से बढ़ने की उम्मीद है और दुनिया भर में न्यूट्रास्यूटिकल्स की मांग बढ़ने की संभावना है। इस अवसर का लाभ उठाकर, भारत ''आत्मनिर्भर भारत'' के विचार का उपयोग कर सकता है और दुनिया को प्रीमियम गुणवत्ता वाले भोजन और स्वास्थ्य पूरक प्रदान करने के लिए आधुनिक विकल्पों के साथ-साथ अपनी पारंपरिक चिकित्सा पद्धति का उपयोग कर सकता है।

9 नवंबर, 2014 को भारत में एक नए प्रशासन के उद्घाटन के बाद, देश में पारंपरिक स्वास्थ्य प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए एक नया मंत्रालय स्थापित किया गया था। आयुष मंत्रालयभारत की वैकल्पिक चिकित्सा प्रणाली को पुनर्जीवित करने और लोकप्रिय बनाने के लक्ष्य के साथ स्थापित किया गया था। इसलिए, इस दिशा में आगे बढ़ने की मंशा और दूरदृष्टि भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई है। अब जरूरत है एक साथ आने और भारत में उद्योग के विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए कुछ ठोस कदम उठाने की।

दोनों पक्ष देश में न्यूट्रास्युटिकल पार्क शुरू करने के लिए सहयोग कर सकते हैं, जो गुड के निर्माण को बढ़ावा देता है। इसके साथ ही, उद्योग विशेषज्ञ और सरकार भी ऐसे नियम लाने के लिए एक साथ आ सकते हैं जो उद्योग को नैतिक और सकारात्मक दिशा में बढ़ने की अनुमति देते हैं। इसके अलावा न्यूट्रास्युटिकल्स और व्यवसाय से जुड़े अन्य मुद्दों पर करों के पुनर्मूल्यांकन पर भी विचार-विमर्श किया जा सकता है। अंत में, कोविड-महामारी के बाद स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में बढ़ती जागरूकता और वैकल्पिक चिकित्सा की मांग भारत के लिए न्यूट्रास्युटिकल्स पावरहाउस बनने का एक बड़ा अवसर हो सकता है। -अमित श्रीवास्तव, चीफ कैटेलिस्ट, न्यूट्रीफाई टुडे.

COVID वैक्सीन के लिए बूस्टर खुराक का आदर्श समय दूसरी खुराक के 6 महीने बाद है: भारत बायोटेक एमडी

भारत बायोटेक के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कृष्णा एला ने कहा, सीओवीआईडी -19 वैक्सीन के लिए बूस्टर खुराक का आदर्श समय दूसरी खुराक के छह महीने बाद है, और नाक के टीके के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी कंपनी जीका वैक्सीन विकसित करने वाली दुनिया की पहली कंपनी थी। उन्होंने टाइम्स नाउ समिट 2021 में कहा, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोवैक्सिन वैक्सीन लेना भारतीय विज्ञान में विश्वास दिखाया। एला ने कहा, 'बूस्टर खुराक के लिए आदर्श समय दूसरी खुराक के छह महीने बाद है।' उन्होंने कहा कि भारत बायोटेक नाक के टीके को बूस्टर खुराक के रूप में देख रहा है क्योंकि कोवैक्सिन की तुलना में इसकी क्षमता बढ़ाने की क्षमता बहुत आसान है।

नाक के टीके के महत्व के बारे में उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया नाक के टीकों को देख रही है । ट्रांसमिशन को रोकने का यही एकमात्र तरीका है। हर कोई इम्यूनोलॉजी का पता लगाने की कोशिश कर रहा है और सौभाग्य से, भारत बायोटेक ने इसका पता लगा लिया है।

'हम नाक के टीके के साथ बाहर आ रहे हैं, हम सोच रहे हैं कि कोवैक्सिन को पहली खुराक के रूप में दिया जा सकता है, दूसरी खुराक को नाक दिया जा सकता है, वह भी रणनीतिक रूप से, वैज्ञानिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि दूसरी खुराक के साथ, अगर यह नाक है एक, आप वायरस के संचरण को रोकते हैं,' एला ने कहा।

उन्होंने कहा कि अगर किसी को संक्रमित किया गया है या किसी को एक खुराक से टीका लगाया गया है तो नाक का टीका अच्छा काम करता है।

प्रधानमंत्री द्वारा कोवैक्सिन शॉट लेने के बारे में उन्होंने कहा, 'एक वैज्ञानिक क्या पसंद करेगा? एक देश का मुखिया अपनी वैक्सीन ले रहा है। यह एक वैज्ञानिक को मिलने वाली सबसे अच्छी संतुष्टि है. यह भारतीय विज्ञान में विश्वास, आत्मविश्वास को दर्शाता है। स्टार्टअप, और हमारे नवाचार में विश्वास'। जीका के टीके के बारे में बात करते हुए एला ने कहा कि भारत बायोटेक जीका वायरस के टीके के साथ तैयार है। चरण I पूरा हो गया है। सरकार को और अधिक परीक्षण करने होंगे क्योंकि अभी और मामले हैं। उन्होंने कहा, 'हम 2014 में जीका वैक्सीन विकसित करने वाली दुनिया की पहली कंपनी थे। हम जीका वैक्सीन के लिए वैश्विक पेटेंट के लिए फाइल करने वाले पहले व्यक्ति थे।'

सीरम इंस्टीट्यूट दिसंबर तक कोवैक्स को 25 मिलियन खुराक की आपूर्ति करना चाहता है

पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) को दिसंबर तक कोवैक्स सुविधा को 25 मिलियन खुराक की आपूर्ति करने की उम्मीद है , क्योंकि इस महीने डब्ल्यूएचओ के नेतृत्व वाले कोवैक्स सुविधा को आपूर्ति फिर से शुरू करने की उम्मीद है। इससे पहले मार्च में, सरकार ने कोवैक्स डिलीवरी को प्रभावित करने वाले सभी प्रमुख निर्यातों पर रोक लगा दी थी। एक सीनियर सरकारी अधिकारी ने ईटी को बताया, ''सप्लाई जल्द ही फिर से शुरू हो जाएगी। एसआईआई को दिसंबर तक 2.5 करोड़ डोज की सप्लाई करनी है।''

एसआईआई के सीईओ अदार पूनावाला ने अक्टूबर में ईटी को दिए इंटरव्यू में कहा था कि जल्द ही छोटे निर्यात शुरू हो जाएंगे। 'मुझे लगता है कि जनवरी के बाद कोवैक्स को बड़े पैमाने पर निर्यात किया जाएगा क्योंकि तब तक भारतपर्याप्त से अधिक टीके होंगे। हम जो टीकाकरण कर रहे हैं, उससे कहीं अधिक स्टॉक पहले से ही है। तो, हम बहुत अच्छी स्थिति में होंगे। इस तथ्य के साथ कि अन्य भारतीय वैक्सीन निर्माता भी बढ़ रहे हैं,' उन्होंने ईटी को बताया।

Covax सुविधा पिछले साल यह सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई थी कि दुनिया भर में कोविड के टीके उपलब्ध कराए जाएं, जिसमें अमीर देश गरीब देशों के लिए लागत पर सब्सिडी दे रहे हैं। इस योजना से 92 निम्न या मध्यम आय वाले देशों में कम से कम 20% आबादी की सुरक्षा के लिए पर्याप्त टीके वितरित करने की उम्मीद थी।

+ Veterinary GRAMPUS Division +
MANUFACTURER of ECTOPARASITICIDES
Email-id: sales.grampus@gmail.com
Web Site: www.grampuslaboratories.com

1. AMITRAZ -5% & 12.5%
2. AMITRAZ -2% POUR ON
3. FLUMETHRIN -1% POUR-ON
4. CYPERMETHRIN -1%, 10%,12%, 15%
5. CYPERMETHRIN -10% + ETHION 8%
6. CYPERMETHRIN -1%, 10% POWDER
7. DELTAMETHRIN -1.25% , 1.75%, 2.5%
8. PERMETHRIN -2%, 5%, 10%, 11%
9. FIPRONIL -0.25%, 1%, 9.7%

ALL PACKS AVAILABLE IN ALUMINIUM, TIN & PET BOTTLES
6ml, 15ml WALL HANGING TRAY PACKS AVAILABLE
FOR PCD & THIRD PARTY : 099960-19744. 78762-20222.
GRAMPUS LABORATORIES
Mfg. Unit: Johron, Near Industrial Area, Kala Amb.(H.P)

US FDA grants final approval to Zydus Cadila's Glycopyrrolate Injection

Ahmedabad: Global pharmaceutical company Zydus Cadila has received final approval from the US Food and Drug Administration (USFDA) to market its glycopyrrolate injection, a generic version of the US Reference Listed Drug Robinul. The strengths at which it can be marketed has been set at 0.2 mg/mL and 0.4 mg/2 mL (0.2 mg/mL) for single-dose vials and 1 mg/5 mL (0.2 mg/mL) and 4 mg/20 mL (0.2 mg/mL) for multiple-dose vials.

Glycopyrrolate is used before surgery to decrease the volume of secretions from mouth, lungs and stomach. It can also be used either before or during surgery to maintain the heart's normal beating rhythm. In addition, it is used to counter the effects of some other medicines, which can possibly slow heartbeat or produce excessive secretions when used during surgery in some cases.

Glycopyrrolate injection can also be used in adults as an adjunctive therapy to produce a rapid effect for the treatment of gastrointestinal ulcer or can be used in case the patient is intolerant to oral medication.The drug will be manufactured at the injectables manufacturing facility in CHL-Jarod near Vadodara, the company informed in a statement. The approval for glycopyrrolate injection takes the total number of approvals for the Zydus group to 324, with over 400 ANDAs filed under their name since the commencement of the filing process in FY 2003-04.

MEDICAL DARPAN
MEDIA HOUSE
Need strategic people
who can bring new clients
to advertise in our
Pan Indian Pharmaceutical
publications:
• मैडीकल दर्पण
• Pharma News
• Pharma दर्पण
• ADR (A Drug Index)
• medicaldarpan.com
Mob.: 9045029158, 9410434811, 7037629158
Email: sales@medicaldarpan.com, medicaldarpan.ctp@gmail.com
Visit us www.medicaldarpan.com
/medicaldarpan /medicaldarpan /medicaldarpan

IDMA के आग्रह पर कोविड की अनिवार्यताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक दवाओं के भंडारण की अनुमति दें

भारतीय दवा निर्माता एसोसिएशन (IDMA) संघ स्वास्थ्य मंत्री, करने की अपील की है मनसुख Mandaviya COVID -19 और अन्य रोग की स्थिति है जो रोगियों के जीवन को बचाने में मदद मिलेगी के लिए आवश्यक दवाओं की अनुमति एकत्रीकरण के लिए।

हाल ही में मंडाविया को लिखे एक पत्र में, आईडीएमए ने उन नई दवाओं के भंडार पर विचार करने का आग्रह किया है जो अनुमोदन प्रक्रिया से गुजर रही हैं लेकिन देश में अभी तक स्वीकृत नहीं हुई हैं। इस तरह के प्रावधान से उद्योग को किसी भी महामारी या अन्य स्वास्थ्य आपात स्थितियों से उत्पन्न होने वाली जरूरतों को पूरा करने की अनुमति मिलेगी, यह कहा। उद्योग निकाय ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय से पूछा भंडारण की अनुमति देने के लिए क्योंकि यह सुनिश्चित करेगा कि सही उपचार उपलब्ध होगा और दवा की मंजूरी मिलने के बाद अल्प सूचना पर इसका उपयोग किया जा सकता है।

कहने की जरूरत नहीं है कि भंडारण के लिए स्वीकृत दवाएं सामान्य नियामक प्रक्रिया से गुजरती रहेंगी और कंपनियों/एजेंसियों को देश में अधिकृत दवा नियामक एजेंसियों द्वारा अनुमोदित होने के बाद ही ऐसे उत्पादों को बिक्री के लिए पेश करने की अनुमति दी जाएगी। फार्मास्युटिकल के लिए यह प्रावधान कंपनियों को मरीजों के हित में अपनी लागत / जोखिम पर दवाओं का भंडार करने से लोगों की जान बचाने में मदद मिलेगी।

आईडीएमए ने पत्र में सरकार के सक्रिय कदमों में से एक का उल्लेख किया है जिसने भारत को यह मील का पत्थर हासिल करने में मदद की थी। टीकों को जमा करने के लिए। उद्योग निकाय ने आगे सुझाव दिया कि अब अन्य अस्वीकृत (नई) COVID-19 दवाओं के लिए स्टॉकपिलिंग पर तुरंत विचार किया जाना चाहिए जहां तक देश की औषधि सुरक्षा का संबंध है, यह भारत को हमेशा के लिए तैयार रहने की स्थिति में रहने देगा। उद्योग निकाय ने मंत्री से एक कदम आगे बढ़ने और सामान्य रूप से नई दवाओं के भंडार पर विचार करने की अपील की है, जो सामान्य रूप से अनुमोदन प्रक्रिया से गुजर रही हैं, लेकिन देश में अभी तक स्वीकृत नहीं हुई हैं। इस तरह का प्रावधान दवा निर्माताओं को किसी भी महामारी या अन्य स्वास्थ्य आपात स्थितियों से उत्पन्न होने वाली आपात स्थिति से निपटने की अनुमति देगा।

DOCTOR
Chambers available
for
M.D., M.S.
at
B.N. MEDICAL COMPLEX
Opp. Distt Hospital, Bulandshahr, Mob: 9045029158, 9410434811

DOCTORS SPECIAL

डॉक्टर साहब ने एक मामूली पढ़े लिखे ग्रामीण मरीज की पर्ची पर तीन दवाइयां लिखीं:

पहली गोली को सामने लिखा TDS और दूसरी गोली को लिखा BD और तीसरी लिखा SOS..

डाक्टर के यह समझाने से पहले, कि **दवाई कैसे लेनी है,** मरीज बोला..
डाक्टर साहब समझ गयो, अब जाऊं?

हैरान डॉक्टर बोला :
क्या समझे, दवा कैसे लोगे..?

मरीज :
TDS माने तीन बखत
T तड़के D दुपहरे S सांझे

BD माने भोरे और दुपहरे

बहुत ज्यादा हैरान डाक्टर:
और SOS माने.?
ग्रामीण : जी..
S सोच O और S समझ के
याने जरूरत पड़े तभी ठीक.!
है नी डॉक्टर साहब.?

डॉक्टर साहब अभी भी...
गहरे सदमे में, पुरानी किताबें देख रहे हैं.....!

Meet Brave Doctor

Dr. Raghuraj Singh Rajpur (RMO PEDIATRICS)

A Name Of Courage, Determination. Picture Is Saying a lot. Who Saved Many Newborn's Life From Fire Incident In Hamidia Hospital, Bhopal At The Risk Of Own Life.
As Usual No Media Is Covering Him.

- Dr.Rajeev Tyagi, Mob:- 790656347.

InMed THERAPEUTICS INDIA
(AN ISO 9001:2008 CERTIFIED CO.)
a step towards complete
General Healthcare
Diabetic & Cardiac Care

More then 300 Products
Latest DCGI Molecules
We offer a widest range of exclusive Diabetic & Cardiac Care alongwith general range including Tablets, Capsules, Syrup, Injection
We offer Promotional Inputs, Samples, Visualaid, Gift, MR bag.
Trade enquiries welcome
Financially sound parties may contact for monopoly basis Franchise/PCD distributorship on
InMed THERAPEUTICS INDIA
(AN ISO 9001:2008 CERTIFIED CO.)
Scan for more information
Ground Floor, 286, Industrial Area, Phase-1 Panchkula (Haryana) Pincode - 134109
Mob. : 9216295095, 9041045095
Email : inmedindia@gmail.com, sales@inmedpharma.in
Website : www.inmedpharma.in

ईयू दो महीने में छोटे बच्चों के लिए मॉडर्न के COVID-19 शॉट पर फैसला करेगा

यूरोपीय संघ के दवा नियामक को उम्मीद है कि क्या के उपयोग की अनुमति के लिए पर दो महीने में फैसला करने के लिए Moderna के COVID-19 में टीका बच्चों की आयु छह से 11 वर्ष, यह कहा, अमेरिका दवा कंपनी के बाद अनुमोदन की मांग की। यूरोपीय मेडिसिन एजेंसी (ईएमए) ने एक बयान में कहा, 'मूल्यांकन के लिए वर्तमान समयरेखा लगभग 2 महीनों में एक राय की भविष्यवाणी करती है, जब तक कि पूरक जानकारी या विश्लेषण की आवश्यकता न हो।' मॉडर्ना ने कहा कि उसने अमेरिकी नियामकों के साथ इसी तरह की फाइलिंग में देरी के हफ्तों बाद 6-11 वर्ष आयु वर्ग में अपने शॉट की 50 माइक्रोग्राम खुराक के उपयोग के लिए यूरोपीय प्राधिकरण के लिए आवेदन किया था। कंपनी ने अक्टूबर में कहा था कि उसके टीके ने उस आयु वर्ग के बच्चों में एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न की है। यूरोपीय संघ ने जुलाई में 12 से 17 वर्ष की आयु के किशोरों में टीके के उपयोग के लिए अधिकृत किया था, लेकिन स्वीडन सहित कई देशों ने दिल से संबंधित दुर्लभ दुष्प्रभावों के कारण 30 या उससे कम उम्र के लोगों के लिए इसके उपयोग को रोक दिया है।

PRIDE PHARMA
(AN ISO 9001:2015 MSME Certified Co.)
Landline: 0135-2974927
Website: www.pridepharma.in
www.pridepharma.info
Email: pridepharma@hotmail.com
Mob: 9412052416, 7060152416, 8006852416, 8006254647
FOR THIRD PARTY MANUFACTURING
(SMALL BATCHES ALSO AVAILABLE)
CONTACT ON 7830052416
PRIDE PHARMA
Invites
Parties, ASM's, and Medical Representatives for the Franchise in the unrepresented areas
PRIDE PHARMA HAS WIDE RANGE OF
Tablets
Capsules
Injections
Herbal Products
Protein Powder
Dry Syrups
Syrup
Ointments
PAN INDIA PRESENCE
WE OFFER
• Attractive Packaging
• Latest Molecules
• All Promotional Inputs
• Monopoly Rights
• Highest Quality Standards
• Gift Articles
GMP Certified Manufacturing
24 SHRIRAM COMPLEX,94/1 SHRIRAM PURAM COLONY LANE NO.1,KANWALI ROAD, DEHRADUN (U.K)

ब्रजेश कुमार गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एण्ड पैकिंग लिमिटेड नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं बी.एन.मैडीकल कॉम्प्लैक्स, बुलन्दशहर से प्रकाशित सम्पादक- ब्रजेश कुमार गर्ग.